घटती घटना

सत्य के साथ...जनहित में बात...

www.ghatatighatana.com **अम्बिकापुर,वर्ष 22, अंक - 233- बुधवार 24- जून 2026,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये** RNI Reg.No.- CHHHIN/2004/15050,डाक पंजीयन. क्रं. 13/Surguja DN/ 2026-2028

लखनऊ अग्निकांड के बाद इंदौर में सख्त एक्शन,फायर सेफ्टी न होने के चलते 12 से ज्यादा कोचिंग सेंटर सील

इंदौर,23 जून 2026। लखनऊ में कोचिंग सेंटर वाली इमारत में लगी भीषण आग में 15 लोगों की मौत की घटना के बाद इंदौर जिला प्रशासन ने फायर सेफ्टी की जांच अभियान तेज कर दिया है। जांच में शहर के 12 से ज्यादा संस्थानों में सुरक्षा मानकों की गंभीर खामियां पाई गईं, जिन्हें तुरंत सील कर दिया गया। प्रशासनिक टीम ने शहर के विभिन्न कोचिंग सेंटरों, रेस्टोरेंटों और व्यावसायिक भवनों का निरीक्षण किया। कई जगहों पर अग्निशमन यंत्र, फायर अलार्म, आपातकालीन निकास और अन्य जरूरी सुरक्षा उपकरणों की कमी सामने आई। एसडीएम धनश्याम धनगर के नेतृत्व में माखनवाला रसोई रेस्टोरेंट और रामानुजन कोचिंग सेंटर सहित कई संस्थानों को सील कर दिया गया। फायर सेफ्टी टीम कैटेलाइजर कोचिंग क्लास में भी जांच कर रही है। जिला प्रशासन और नगर निगम की संयुक्त टीम ने भवन संचालकों को फायर सेफ्टी नियमों का सख्ती से पालन करने के निर्देश दिए हैं। एसडीएम धनश्याम धनगर ने कहा कि लोगों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। आगे भी ऐसी कार्रवाई जारी रहेगी।

उबर के निदेशक मंडल और अधिकारियों पर शेयरधारकों का मुकदमा,लगाए गंभीर आरोप

नई दिल्ली,23 जून 2026। कैब सेवा कंपनी उबर के शेयरधारकों ने कंपनी के निदेशक मंडल और वरिष्ठ अधिकारियों के खिलाफ मुकदमा दायर किया है। उन पर आरोप लगाया गया है कि कंपनी की तेज वृद्धि के लिए जानबूझकर नियमों के पालन और सुरक्षा उपायों में कमी की गई। मुकदमे में कहा गया है कि इस लापरवाही की वजह से कंपनी को कानूनी और नियामकीय जोखिमों का सामना करना पड़ा है। शेयरधारकों का आरोप है कि कंपनी ने ग्राहक सुरक्षा को पर्याप्त प्राथमिकता नहीं दी। मुकदमे में कहा गया है कि उबर के नेतृत्व ने ग्राहक सुरक्षा और संरक्षण के लिए पर्याप्त संसाधन उपलब्ध नहीं कराए। आरोप है कि कंपनी के भीतर ऐसा माहौल बना,जहां नियमों के पालन पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया गया। इसके कारण यात्रियों को नुकसान पहुंचा और कंपनी पर कई कानूनी समस्याएं खड़ी हो गईं। मुकदमे में कहा गया है कि इस लापरवाही से उपभोक्ता संरक्षण कानूनों और विकलांग व्यक्तियों से जुड़े कानूनों के उल्लंघन की स्थिति पैदा हुई। मुकदमा दायर करने वाले शेयरधारकों ने जूरी ट्रायल की मांग की है। साथ ही उन्होंने कंपनी से अपने कॉर्पोरेट प्रशासन और आंतरिक प्रक्रियाओं में सुधार करने की भी मांग की है। उनका कहना है कि उबर को ग्राहक सुरक्षा से जुड़े मुद्दों का स्थायी समाधान निकालना चाहिए। शेयरधारकों के मुताबिक,मजबूत नियम और बेहतर निगरानी व्यवस्था भविष्य में ऐसी समस्याओं को रोकने और कंपनी पर बढ़ते कानूनी जोखिम को कम करने में मदद कर सकती है। उबर को यात्रियों की सुरक्षा से जुड़े मामलों में पहले भी कानूनी चुनौतियों का सामना करना पड़ा है। वर्ष 2022 में 500 से अधिक महिला यात्रियों ने कंपनी के खिलाफ मुकदमा दायर किया था। इन महिलाओं ने आरोप लगाया था कि कुछ उबर ड्राइवरों ने उनके साथ अपहरण, यौन उत्पीड़न,हमला,पीछा करने और अन्य गंभीर अपराध किए। इन मामलों के बाद भी कंपनी की सुरक्षा नीतियों को लेकर लगातार सवाल उठते रहे हैं।

बेंगलुरु ट्रिपल मर्डर से सनसनी...माता-पिता और बेटी की हत्या,आरोपी फरार

बेंगलुरु,23 जून 2026। बेंगलुरु के केआर पुरम इलाके में एक भयावह घटना ने पूरे शहर को झकझोर कर रख दिया है। यहाँ साई ग्रीन अपार्टमेंट स्थित एक फ्लैट में एक ही परिवार के तीन सदस्यों की चाकू घोंपकर बेरहमी से हत्या कर दी गई। मृतकों की पहचान 52 वर्षीय सोमसुंदर,उनकी 48 वर्षीय पत्नी मुथुलक्ष्मी और 19 वर्षीय बेटी सुप्रिया के रूप में हुई है। पुलिस की प्राथमिक जांच के अनुसार,यह तिहरा हत्याकांड पारिवारिक विवाद का परिणाम है। सोमसुंदर अपनी पत्नी और छोटी बेटी के साथ सोमवार शाम उस फ्लैट पर पहुँचे थे,जहाँ उनकी बड़ी बेटी श्वेता अपने बॉयफ्रेंड केनेथ के साथ रहती थी। श्वेता पिछले दो महीनों से अपने परिवार की मर्जी के खिलाफ अपने प्रेमी के साथ अलग रह रही थी,जिसे लेकर दोनों पक्षों में काफी तनाव चल रहा था। पुलिस का मानना है कि फ्लैट पर हुई बातचीत के दौरान विवाद इतना बढ़ गया कि श्वेता और उसके प्रेमी केनेथ ने मिलकर तीनों पर चाकू से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। घटनास्थल से तीनों के खून से लथपथ शव बरामद किए गए हैं। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और फरार आरोपियों की धरपकड़ के लिए विशेष टीमों का गठन किया है। बेंगलुरु में हुई दूसरी दुखद घटना कस्तूरीनगर मेन रोड की है,जहाँ एक पीजी (पेइंग गेस्ट) मालिक की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान 37 वर्षीय माधव माटले के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, यह घटना सोमवार शाम करीब 6:30 बजे तब हुई जब दो युवक,राकेश और डॉन ब्राइट सन,पीजी कैंपस के बाहर लगे नल के पानी से अपने पैर धो रहे थे। पीजी मालिक माधव ने जब इसका विरोध किया,तो दोनों पक्षों के बीच तीखी बहस शुरू हो गई। देखते ही देखते विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। बताया जा रहा है कि माधव माटले ने स्थिति को संभालने के लिए हाथ में बैट लिया था, लेकिन आरोपियों ने उनसे बैट छीनकर उसी से उनके सिर पर जानलेवा हमला कर दिया।

लखनऊ अग्निकांड के बाद कानपुर में बड़ा एक्शन,केडीए ने किया 5 प्रतिष्ठान सील

लखनऊ,23 जून 2026। लखनऊ के अलीगंज स्थित पुरनिया इलाके में हुए भीषण अग्निकांड के बाद उत्तर प्रदेश सरकार और प्रशासन पूरी तरह सतर्क हो गया है। इसी क्रम में कानपुर विकास प्राधिकरण (केडीए) ने भी अवैध निर्माण, अग्नि सुरक्षा मानकों की अनदेखी और नियमों का उल्लंघन करने वाले कोचिंग संस्थानों एवं व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के खिलाफ व्यापक अभियान शुरू कर दिया है। देर रात तक चले इस विशेष अभियान के दौरान केडीए ने शहर के विभिन्न क्षेत्रों में कार्रवाई करते हुए पांच प्रतिष्ठानों को सील कर दिया, जबकि कुल 22 संस्थानों को जांच के दायरे में लिया गया है। केडीए अधिकारियों के अनुसार कानपुर शहर के चारों जोनों में ऐसे प्रतिष्ठानों की पहचान की गई थी, जहां भवन निर्माण मानकों, अग्निशमन सुरक्षा व्यवस्था और अन्य वैधानिक नियमों का पालन नहीं किया जा रहा था। जांच के दौरान कई स्थानों पर गंभीर अनियमितताएं सामने आईं, जिसके बाद पांच प्रतिष्ठानों को तत्काल प्रभाव से सील कर दिया गया। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि यह अभियान आगे भी जारी रहेगा और नियमों की अनदेखी करने वाले संस्थानों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। दरअसल, सोमवार 22 जून 2026 को लखनऊ के अलीगंज क्षेत्र में स्थित एक निजी कोचिंग सेंटर में भीषण आग लग गई थी। इस दर्दनाक हादसे में 15 लोगों की मौत हो गई थी, जिनमें बड़ी संख्या में छात्र शामिल थे। घटना ने पूरे प्रदेश को झकझोर कर रख दिया। हादसे के बाद सरकार ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल जांच के आदेश दिए और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी। पुलिस ने इस मामले में भवन स्वामी सहित चार नामजद और अन्य अज्ञात आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। आरोपियों पर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 105, 110, 125 और 3(5) के तहत मामला दर्ज किया गया है। जांच एजेंसियां आग लगने के कारणों, भवन की सुरक्षा व्यवस्था और प्रशासनिक लापरवाही के विभिन्न पहलुओं की जांच कर रही हैं। हादसे के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपना निर्धारित कार्यक्रम रद्द कर घटनास्थल का दौरा किया। उन्होंने मौके पर पहुंचकर राहत एवं बचाव कार्यों की समीक्षा की और अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। इसके बाद मुख्यमंत्री ने अस्पताल पहुंचकर घायलों का हालचाल जाना और चिकित्सकों से उपचार की जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार की पहली प्राथमिकता घायलों को बेहतर से बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना है। उन्होंने आश्वासन दिया कि घटना की निष्पक्ष और व्यापक जांच कराई जाएगी तथा दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि जांच रिपोर्ट आने के बाद ही आग लगने के वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा। घटनास्थल पर मौजूद उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने बताया कि हादसे में 14 बच्चों की मौत हुई है, जबकि कई अन्य घायल हुए हैं। घायल बच्चों का इलाज किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (केजीएमयू) के ट्रॉमा सेंटर में चल रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार सभी पीड़ित परिवारों के साथ खड़ी है।

मोदी कैबिनेट फेरबदल की अटकलों के बीच केंद्रीय मंत्री जॉर्ज कुरियन का इस्तीफा

नई दिल्ली, 23 जून 2026। भाजपा के वरिष्ठ नेता जॉर्ज कुरियन ने राज्यसभा में अपना छह साल का कार्यकाल समाप्त होने और पार्टी द्वारा संसद के उच्च सदन में उन्हें फिर से मनोनीत नहीं किए जाने के बाद केंद्रीय मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया है। वे केंद्रीय अल्पसंख्यक मामलों और मत्स्य पालन राज्य मंत्री के पद पर थे। वह केंद्र सरकार में एकमात्र ऐसे मंत्री थे जो ईसाई समुदाय से आते हैं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने तत्काल प्रभाव से उनका इस्तीफा स्वीकार कर लिया है। यह घटनाक्रम ऐसे समय पर हो रहा है, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई वाले मंत्री परिषद में फेरबदल की अटकलें तेज हो रही हैं। हालांकि, इसे लेकर भाजपा ने आधिकारिक रूप से कुछ नहीं कहा है। राष्ट्रपति भवन की तरफ से बयान जारी किया गया है, 'राष्ट्रपति ने प्रधानमंत्री की सलाह पर केंद्रीय मंत्रिपरिषद से जॉर्ज कुरियन का इस्तीफा तुरंत मंजूर कर लिया है। यह मंजूरी संविधान के अनुच्छेद 75 के खंड (2) के तहत दी गई है।' 65 वर्षीय कुरियन 80 के दशक से ही भाजपा से जुड़े हुए हैं। 20 सितंबर 1960 में केरल में उनका जन्म हुआ और राजनीति के अलावा वह सुप्रीम कोर्ट में वकील के तौर पर भी प्रैक्टिस कर चुके हैं। उन्होंने स्कूली शिक्षा कोट्टायम जिले से ही हासिल की थी। वह 9 जून 2024 में मोदी सरकार में केंद्रीय मंत्री बने थे। बता दें, भाजपा ने जॉर्ज कुरियन के अलावा केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू का भी टिकट काट दिया था। दोनों को ही राज्यसभा चुनाव में मौका नहीं दिया था। तब अटकलें लगाई जा रही थीं कि बिट्टू पंजाब का विधानसभा चुनाव लड़ेंगे और अब वहीं काम करेंगे, जबकि कुरियन संगठन में आ सकते हैं।

पुणे में सोनम रघुवंशी जैसा केस...बिजनेसमैन की बेटी ने प्रेमी के साथ मिलकर मंगेतर को 400 फीट गहरी खाई में फेंका,नवंबर में शादी थीं...

पुणे,23 जून 2026। पुणे में इंदौर के राजा रघुवंशी हत्याकांड से मिलती-जुलती वारदात सामने आई है। यहां 26 साल के केतन विशाल अग्रवाल की उनकी मंगेतर सिया गोयल (20) और उसके बॉयफ्रेंड चेतन चौधरी (22) ने मिलकर हत्या कर दी। पुलिस का आरोप है कि दोनों ने केतन को लोहागढ़ किले से करीब 400 फीट गहरी खाई में धक्का दिया और इसे हादसा बताने की कोशिश की। केतन 18 जून को अपने मंगेतर सिया के साथ पुणे के लोहागढ़ किले पर ट्रेकिंग के लिए गए थे। बाद में उनका शव खाई से मिला।

केतन रियल एस्टेट कारोबारी थे,सिया बिजनेसमैन की बेटी : केतन पुणे जिले के गहुंजे के रहने वाले थे और परिवार के रियल एस्टेट कंपनी में डायरेक्टर थे। वहीं सिया पुणे के एक बड़े मसाला व्यापारी की बेटी है। इस साल नवंबर में राजस्थान के उदयपुर स्थित एक शाही पैलेस में दोनों की शादी होने वाली थी। यह शादी दोनों के परिवारों ने तय की थी। घर में तैयारियां भी शुरू थीं। मेहमानों के लिए दो चार्टर्ड प्लेन की व्यवस्था भी की गई थी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, शादी पर परिवार करीब 17 करोड़ खर्च करने वाला था। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, केतन और सिया शादी से पहले बाली घूमने जाने वाले थे। सारी बुकिंग भी हो गई थी लेकिन सिया ने पासपोर्ट खोने की बात कहकर ट्रिप कैंसिल करा दी। केतन ने सिया के बर्थडे के लिए महाबलेश्वर के एक लग्जरी रिसॉर्ट में 40 कमरे बुक कराए थे। लोहागढ़ किले पर प्री-वेडिंग फोटोशूट की भी तैयारी चल रही थी। जांच में सामने आया कि सिया और उसके बॉयफ्रेंड चेतन ने 14 जून को ही लोहागढ़ किले पर केतन को मारने की योजना बनाई थी।

बस्तर के युवा हिंसा के रास्ते को नहीं,बल्कि अवसर,शिक्षा खेल और विकास के मार्ग को अपना रहे हैं : पीएम मोदी

रायपुर,23 जून 2026। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बस्तर का उल्लेख करते हुए कहा कि जहां कभी आतंक और हिंसा का माहौल था,वहां आज युवाओं की ऊर्जा खेल और प्रतिभा के माध्यम से सामने आ रही है। बस्तर ओलंपिक जैसे आयोजनों में लाखों युवाओं की भागीदारी इस परिवर्तन का सशक्त उदाहरण है। यह दर्शाता है कि अब वहां के युवा हिंसा के रास्ते को नहीं,बल्कि अवसर,शिक्षा, खेल और विकास के मार्ग को अपना रहे हैं। यह जानकारी राज्य सूचना विभाग ने आज अपने बयान में दी। प्रधानमंत्री मोदी ने नक्सलवाद के खिलाफ देश की लड़ाई को विकास और जनविश्वास की विजय बताते हुए कहा है कि सरकार ने नक्सलवाद और माओवाद को जड़ से समाप्त करने का संकल्प लिया था और आज उसके सकारात्मक परिणाम पूरे देश के सामने हैं। उन्होंने कहा कि जिन क्षेत्रों में कभी भय,हिंसा और अविश्वास का वातावरण था,वहां आज विकास, सुशासन और नई संभावनाओं का युग प्रारंभ हो चुका है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि एक समय नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में सामान्य नागरिक निरंतर भय के साये में जीवन जीने को मजबूर थे। लोगों को अपनी सुरक्षा,आजीविका और सम्मान की चिंता रहती थी। विकास कार्यों को आगे बढ़ाना अत्यंत कठिन था। सड़क निर्माण से लेकर संचार सुविधाओं के विस्तार तक हर प्रयास का हिंसक विरोध किया जाता था। कई बार निर्माण सामग्री को जला दिया जाता था। ठेकेदारों को धमकाकर भगा दिया जाता था और विकास कार्यों को रोकने की कोशिश की जाती थी। प्रधानमंत्री ने कहा कि इन चुनौतियों के बावजूद सरकार ने नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। बीते वर्षों में हजारों किलोमीटर सड़कों का निर्माण किया गया, हजारों मोबाइल टावर स्थापित किए गए और दूरस्थ गांवों तक संचार सुविधाएं पहुंचाई गईं। बैंकिंग सेवाओं,डाक सेवाओं और वित्तीय समावेशन के माध्यम से लोगों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने का कार्य किया गया। उन्होंने कहा कि यह परिवर्तन केवल आधारभूत संरचनाओं का विस्तार नहीं, बल्कि लोगों के जीवन में विश्वास और अवसरों का विस्तार है। प्रधानमंत्री ने स्पष्ट किया कि नक्सलवाद के विरुद्ध लड़ाई केवल बम,बंदूक और गोली के सहारे नहीं लड़ी गई। सरकार ने सुरक्षा के साथ-साथ जनसामान्य की आशाओं और आकांक्षाओं को पूरा करने पर भी समान रूप से ध्यान दिया। शासन की योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने,गरीबों को अधिकार दिलाने और लोकतंत्र के प्रति विश्वास मजबूत करने के निरंतर प्रयास किए गए। इसी का परिणाम है कि आज नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में आमजन का भरोसा लोकतांत्रिक व्यवस्था और विकास की प्रक्रिया में बढ़ा है।

होर्मुज जलडमरूमध्य का खुलना ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करेगा : अजीत डोभाल

नई दिल्ली,23 जून 2026। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल ने मंगलवार को ब्रिक्स देशों की यहां आयोजित बैठक में कहा कि अमेरिका-ईरान के बीच बनी समझ का भारत स्वागत करता है। उन्होंने कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य का खुलना ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करेगा, आपूर्ति श्रृंखला की बाधाओं को कम करेगा तथा उर्वरक, रसायन और अन्य आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता बेहतर करेगा। इससे क्षेत्रीय और वैश्विक आर्थिक समृद्धि को भी बढ़ावा मिलेगा। डोभाल ने 16वीं ब्रिक्स राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार बैठक में वैश्विक चुनौतियों के बीच ब्रिक्स की अहम भूमिका को रेखांकित किया। डोभाल ने कहा कि दुनिया इस समय सैन्य संघर्षों,भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं, आर्थिक दबावों और विघटनकारी प्रौद्योगिकियों जैसी जटिल चुनौतियों का सामना कर रही है। उन्होंने कहा कि संघर्ष समाधान के पारंपरिक तंत्र कमजोर पड़ रहे हैं और ऐसे समय में ब्रिक्स की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। एनएसए ने कहा कि बहुपक्षवाद कमजोर हो रहा है। ब्रिक्स की कल्पना उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं के एक अनौपचारिक समूह के तौर पर की गई थी, ताकि एक ज़्यादा बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था को बढ़ावा दिया जा सके। उन्होंने कहा, 'उथल-पुथल और तेजी से बदलते इस दौर में जहां झगड़े सुलझाने के पुराने तरीके बेअसर होते दिख रहे हैं, हमारी एक बहुत खास भूमिका है। एक समूह के तौर पर हम क्या भूमिका निभा सकते हैं, इस पर विचार करना हमारे लिए जरूरी है।' डोभाल ने कहा कि साइबर खतरों, आतंकवाद के नए स्वरूपों और विघटनकारी तकनीकों जैसे गैर-पारंपरिक सुरक्षा खतरे राष्ट्रीय सीमाओं से परे फैल चुके हैं। उन्होंने कहा कि इन चुनौतियों से निपटने के लिए सामूहिक प्रयास और नए दृष्टिकोण की आवश्यकता है।

टीएमसी नेता सब्यसाची दत्ता की करीबी टीना भौमिक के घर छापा 3 किलो सोना बरामद

कोलकाता,23 जून 2026। तृणमूल नेता और पूर्व विधायक सब्यसाची दत्ता की करीबी सहयोगी टीना भौमिक के घर से लगभग तीन किलोग्राम सोना बरामद किया गया। बिधाननगर नॉर्थ थाने की पुलिस ने सब्यसाची दत्ता के साथ मिलकर सोमवार रात भर नादिया जिले के तेहट्ट सब-डिविजन में दो जगहों पर तलाशी ली और यह सोना बरामद किया। इसके अलावा टीना को इस आने वाले गुरुवार को बिधाननगर नॉर्थ पुलिस स्टेशन में पेश होने के लिए नोटिस जारी किया गया। इससे पहले 16 जून को पुलिस सब्यसाची दत्ता को साथ लेकर उत्तर 24 परगना के गाइघाटा पुलिस स्टेशन के तहत आने वाले उत्तर बागना गाँव में उनके ससुराल गई थी और वहाँ तलाशी ली थी। इस बार, बिधाननगर नॉर्थ स्टेशन के अधिकारियों ने उनके साथ नदिया में कई जगहों पर छापेमारी की।

अनुच्छेद 370 को निरस्त करने से श्यामा प्रसाद मुखर्जी का सपना पूरा हुआ : शाह

नई दिल्ली,23 जून 2026। गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के साथ ही डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का सपना साकार हो गया है। शाह ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उन्हें देश के महानतम नेताओं में से एक बताया। उन्होंने कहा कि डॉ. मुखर्जी के योगदान ने देश की एकता और अखंडता को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। नई दिल्ली में नैफेड के नीलामी पोर्टल के शुभारंभ पर एक सभा को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि 23 जून भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं के लिए विशेष महत्व रखता है, क्योंकि इसी दिन श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने राष्ट्रीय एकता के लिए अपने प्राणों का बलिदान दिया था। विभाजन काल को याद करते हुए उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल को भारत का हिस्सा बनाए रखने में श्यामा प्रसाद मुखर्जी की महत्वपूर्ण भूमिका थी। गृह मंत्री ने अनुच्छेद 370 का भी जिक्र किया, जिसने जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा दिया था। उन्होंने कहा कि इस प्रावधान ने क्षेत्र के लिए एक अलग संवैधानिक ढांचा तैयार किया, जिसके तहत उसका अपना संविधान, ध्वज, प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति का पद है। उन्होंने कहा कि श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने इस व्यवस्था का कड़ा विरोध किया था और यह नारा लगाया था कि एक देश में दो संविधान, दो झंडे और दो प्रधानमंत्री नहीं हो सकते। उन्होंने मुखर्जी द्वारा स्थापित भारतीय जनसंघ के सफर का भी उल्लेख किया।

कांग्रेस संगठन में बड़े फेरबदल की आशंका 4 महासचिवों समेत कई पदाधिकारी बदले जाएंगे

नई दिल्ली,23 जून 2026। कांग्रेस पार्टी में जल्द ही बड़ा संगठनात्मक फेरबदल देखने को मिल सकता है। पार्टी नेतृत्व ने संगठन के विभिन्न स्तरों पर पदाधिकारियों के कामकाज की समीक्षा पूरी कर ली है और अब नई जिम्मेदारियों के साथ नई टीम के गठन की तैयारी अंतिम चरण में पहुंच गई है। सूत्रों के अनुसार, इस महीने के अंत तक या उससे पहले किसी भी दिन कांग्रेस संगठन में व्यापक बदलावों की घोषणा की जा सकती है। जानकारी के मुताबिक, कांग्रेस के 13 महासचिवों में से 4 महासचिवों को उनकी वर्तमान जिम्मेदारियों से हटाया जा सकता है। उनकी जगह नए चेहरों को मौका दिए जाने की संभावना है। वहीं, शेष महासचिवों में से 3 नेताओं के प्रभार वाले राज्यों में भी बदलाव किया जाएगा। पार्टी नेतृत्व का मानना है कि आगामी विधानसभा चुनावों और भविष्य की राजनीतिक चुनौतियों को देखते हुए संगठन में नई ऊर्जा और बेहतर समन्वय की आवश्यकता है। संगठनात्मक ढांचे में सबसे बड़ा असर प्रदेश प्रभारियों पर पड़ने वाला है। वर्तमान में कार्यरत 18 प्रभारियों में से 7 को हटाए जाने की चर्चा है, जबकि बाकी प्रभारियों में से 6 के राज्यों का प्रभार बदला जा सकता है।

FSSAI का बड़ा एक्शन : 'हेल्थ-वाशिंग' और भ्रामक दावों पर कसा शिकंजा..इमानी,द हेल्थ फैक्ट्री समेत कई मशहूर फूड ब्रांड्स को नोटिस

नई दिल्ली,23 जून 2026। देश की सर्वोच्च खाद्य नियामक संस्था, भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण ने भ्रामक दावों और कपटपूर्ण ब्रांड नामों का इस्तेमाल करने वाली खाद्य और पेय कंपनियों के खिलाफ एक बड़ा देशव्यापी अभियान शुरू किया है। नियामक ने कई प्रतिष्ठित फूड ब्रांड्स को नियमों के उल्लंघन का दोषी पाते हुए कारण बताओ नोटिस जारी किया है। यह कार्रवाई खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम, 2006 के तहत की गई है। FSSAI ने स्पष्ट किया है कि इन कंपनियों को अपने विज्ञापनों, ब्रांड नामों और प्रचार रणनीतियों में सुधार करना होगा या फिर अपनी सफाई देनी होगी। इस नियामक कार्रवाई का एक बड़ा हिस्सा 'हेल्थ-वाशिंग' पर केंद्रित है। इसमें कंपनियां अपने ब्रांड नाम में 'हेल्दी' या 'हेल्थ' जैसे शब्दों का उपयोग करके उत्पाद को पौष्टिक दिखाती हैं, भले ही उत्पाद की वास्तविक सामग्री इसके विपरीत हो। कोलकाता स्थित इमामी ग्रुप की कुकिंग ऑयल शाखा 'इमामी हेल्दी एंड टेस्टी', 'हेल्थ ऐड' और 'हेल्दी चॉइस' जैसे ब्रांड्स को नोटिस जारी किया गया है। नियामक के अनुसार, इनके ट्रेड नेम उपभोक्ताओं में स्वास्थ्य को लेकर भ्रामक धारणा पैदा करते हैं। इसी तरह, स्नैक निर्माता कंपनी 'ट्रूवी' को उसके मिक्स वेजी चिप्स, रागी चिप्स और मूंग दाल चिप्स के लिए नोटिस मिला है, क्योंकि 'हेल्दी' की प्रमुख ब्रांडिंग के बावजूद इनमें कई अत्यधिक प्रोसेस्ड सामग्रियां शामिल हैं। बेकरी और प्लांट-बेस्ड (पौधों पर आधारित) विकल्प बनाने वाले ब्रांड भी सामग्री के दावों को लेकर कड़े घेरे में हैं। 'द हेल्थ फैक्ट्री' को उसके 'जीरो मैदा' व्होल व्हीट ब्रेड और 'जीरो मैदा पिज्जा बेस' के लिए नोटिस मिला है।

संपादकीय

चुनौतियों के साथ अवसरों का भी दौर

भारतीय अर्थव्यवस्था इस समय एक ऐसे मोड़ पर खड़ी है,जहां चुनौतियां भी हैं और अवसर भी। एक ओर खुदरा महंगाई दर रिजर्व बैंक के लक्ष्य से नीचे बनी हुई है,वहीं दूसरी ओर थोक महंगाई में तेज वृद्धि दर्ज की गई है। हाल के भू-राजनीतिक तनावों में कमी के बाद रुपया फिर मजबूती की ओर बढ़ा है,देश का विदेशी मुद्रा भंडार मजबूत है और भारत सबसे तेजी से बढ़ती हुई बड़ी अर्थव्यवस्था बना हुआ है। यह तस्वीर आश्वस्त करने वाली है,पर इसके भीतर कुछ ऐसे संकेत भी छिपे हैं,जिन्हें अनदेखा नहीं किया जा सकता। सबसे महत्वपूर्ण संकेत थोक और खुदरा महंगाई के बीच बढ़ता अंतर है। हाल में थोक महंगाई तेजी से बढ़ी है, जबकि खुदरा महंगाई अपेक्षाकृत नियंत्रित रही है। यह स्थिति लंबे समय तक नहीं रहती। उत्पादन लागत में होने वाली वृद्धि का बोझ अंततः उपभोक्ताओं तक पहुंचता ही है। इसलिए आज जो दबाव उद्योगों और उत्पादकों पर दिखाई दे रहा है,उसका असर आने वाले समय में आम उपभोक्ता की जेब पर भी पड़ सकता है।

थोक महंगाई मुख्यतः उन लागतों को दर्शाती है,जिनका सामना उत्पादकों को करना पड़ता है। जब ऊर्जा, परिवहन,आयातित कच्चे माल और विनिर्माण की लागत बढ़ती है,तब कंपनियां शुरुआत में अपने मुनाफे में कटौती करके कुछ बोझ स्वयं वहन करती हैं,पर यदि लागत का दबाव बना रहता है तो अंततः कीमतों में वृद्धि करनी पड़ती है। थोक महंगाई में हाल की तेजी को केवल एक अस्थायी घटना मानना उचित नहीं होगा। इस बढ़ोतरी का एक बड़ा कारण ऊर्जा लागत है। वैश्विक तेल बाजार में अस्थिरता का सीधा असर हमारी अर्थव्यवस्था पर पड़ता है। ईंधन और बिजली की ऊंची कीमतों ने उत्पादन लागत को बढ़ाया है। सकारात्मक पक्ष यह है कि पश्चिम एशिया में तनाव कम होने से वैश्विक तेल कीमतों में नरमी आई है। भारत जैसे तेल आयातक देश के लिए यह राहत के साथ एक महत्वपूर्ण रणनीतिक अवसर भी है।

अक्सर कम तेल कीमतों को अतिरिक्त खर्च करने का अवसर समझ लिया जाता है,पर यह दृष्टिकोण दूरदर्शी नहीं होगा। बाजारों के उतार-चढ़ाव स्थायी नहीं होते। समझदारी इसी में है कि अनुकूल परिस्थितियों का उपयोग आर्थिक बुनियाद को मजबूत करने में किया जाए। सबसे पहले घटी तेल कीमतों से होने वाले लाभ का उपयोग बाहरी क्षेत्र की मजबूती के लिए किया जाना चाहिए। जब तेल आयात बिल घटता है तो चालू खाते का संतुलन बेहतर होता है। इस अवसर का उपयोग विदेशी मुद्रा भंडार को और मजबूत करने में किया जा सकता है। मजबूत भंडार केवल आर्थिक शक्ति का प्रतीक नहीं होते,बल्कि भविष्य के वैश्विक झटकों के खिलाफ सुरक्षा कवच भी प्रदान करते हैं।

दूसरा,यह ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से आगे बढ़ने का उपयुक्त समय है। पिछले एक दशक में भारत ने नवीकरणीय ऊर्जा,इलेक्ट्रिक मोबिलिटी और घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए कई बड़े कदम उठाए हैं। सौर ऊर्जा, हरित हाइड्रोजन और इलेक्ट्रिक वाहनों में प्रत्येक नई प्रगति भारत की आयातित ऊर्जा पर निर्भरता को कम करेगी। यह पर्यावरण संरक्षण संग आर्थिक सुरक्षा का भी प्रश्न है। तीसरा, कम ऊर्जा लागत भारत के निर्यात क्षेत्र के लिए भी अवसर लेकर आई है। ढुलाई खर्च घटने से भारतीय उत्पाद वैश्विक बाजार में अधिक प्रतिस्पर्धी बन सकते हैं। लक्ष्य निर्यात बढ़ाने के साथ वैश्विक बाजार में हिस्सेदारी को स्थायी रूप से मजबूत करना होना चाहिए।

यह समय ऊर्जा आधारित विनिर्माण क्षेत्रों में निवेश आकर्षित करने के भी अनुकूल है। बेहतर अवसंरचना,विशाल घरेलू बाजार,उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजनाएं और अपेक्षाकृत कम ऊर्जा लागत भारत को वैश्विक निवेशकों के लिए आकर्षक विकल्प बनाती हैं। यदि नीतिगत स्थिरता और सुधारों की गति बनी रहती है तो भारत वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में अपनी भूमिका और मजबूत कर सकता है। हालांकि इन अवसरों का पूरा लाभ तभी मिलेगा,जब वित्तीय अनुशासन कायम रहे। तेल कीमतों में गिरावट के समय सरकारों पर अतिरिक्त खर्च बढ़ाने का दबाव बनता है, पर दीर्घकालिक आर्थिक हित इसी में हैं कि इस बचत का उपयोग पूंजीगत निवेश बढ़ाने,राजकोषीय घाटा कम करने और रणनीतिक भंडार निर्माण में किया जाए। हाल के वर्षों में भारत ने राजकोषीय विश्वसनीयता को अपनी एक बड़ी ताकत बनाया है। इससे निवेशकों का भरोसा बढ़ा है, उधारी की लागत कम हुई है और रुपये को स्थिरता मिली है। इस उपलब्धि को बनाए रखना महत्वपूर्ण है।

हमारी आर्थिकी अभी भी मानसून जैसे कारकों के प्रति संवेदनशील है। यदि वर्षा कम हुई तो खाद्य महंगाई बढ़ सकती है। इसलिए खाद्यान्न भंडार और आपूर्ति श्रृंखलाओं को मजबूत बनाए रखना आवश्यक है। वास्तविक आर्थिक नेतृत्व की पहचान संकट के बाद प्रतिक्रिया देने में नहीं,बल्कि संकट आने से पहले तैयारी करने में होती है। तेल की कीमतें फिर बढ़ सकती हैं,वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाएं फिर बाधित हो सकती हैं और पूंजी प्रवाह अधिक अस्थिर हो सकता है। महान राष्ट्र केवल संकटों का सामना करके नहीं,बल्कि अवसरों का सही उपयोग करके आगे बढ़ते हैं। आज भारत के सामने ऐसा ही एक अवसर है।

हमारे देश की वीरांगना रानी दुर्गावती

मदन मंडावी
डोंगरगढ़,छत्तीसगढ़

भारतीय इतिहास म महारानी दुरगावती ला एक वीरांगना के रूप मा जाने जाथे,जेकर बिरासत, रियासत अउ सियासत के एतिहासिक गाथा रीहिस हे।

चंदेलों की बेटी थी,
गोंडवाना की रानी थी।
चण्डी थी रणचंडी थी,
वह दुर्गावती भवानी थी।।

बीरता,पराकरम,अउ अदब साहस के परतीमूरती रानी दुरगावती (05अक्टूबर 1524 24जून 1564) जेनहर 1550 ले 1564ईसवी म गोंडवाना के रानी रीहिस हे। गोंडवाना कोनो जातिवाचक संज्ञा नोहे परजा वाचक संज्ञा आय,मध्य (पेटौवरा) भारत मा गोंड राजा मनके 1700 बरस तक ले गोंडवाना समराज्य इस्थापित रेहे हे, जिहाँ परजामन सुरक्छित अउ कुसल मंगल महसूस करयँ । आजो गोंडवाना के गढ़ किल्ला सउँहत खड़े हे।

रानी दुरगावती गढ़ा कटंगा के 16वीं सताब्दी मा गोंड राजवंस के सासक के रूप मा जाने जावय। ओकर जनम कालिंजर के किल्ला म 05अक्टूबर 1524 मा होय रिहिस हे वोहर चंदेल राजा कीरत राय के दुलौरिन नोनी रीहिस। 18अठरा बरस के उमर मा ओकर बिहाव एक परेम परसंग ले राजा संग्राम शाह मंडलागढ़िया के बड़े बेटा गोंडवाना समराज्य के 49वाँ राजा दलपत शाह मंडावी ले होय रहिस हे। ये बिहाव एक परकार के राजनीतिक गठबंधन रहिस हे, ये वंशवादी गठबंधन ले कीरत राय चंदेल ला 1545 म शेरशाह सूरी के हमला के बिरोध मा मदद मिलिस । रानी दुर्गावती 1545 म एक बेटा ल जनम देइस जेकर नाव वीर नारायण सिंह रखे गिस।

गोंडवाना राज्य के छेत्रफल उत्तर मा नरसिंहपुर, दक्षिण म बस्तर (छ.गढ़) पूरब म संबलपुर(उड़ीसा) अउ पक्छिम मा वर्धा (महाराष्ट्र) तक फइले रिहिस हे। गोंडवाना राज ल गढ़ामंडला तको कहे जाय। रानी दुर्गावती हा पति दलपत शाह के निधन होय के पाछू अपन राज्य के बागडोर ल संभालिस अउ सोला बछर तक ले सासन करिस। रानी के राजधानी सिंगोरगढ़ रीहिस हे। जेहर बर्तमान मा जबलपुर : दमोह रद्दा मा बसे गाँव संग्रामपुर आय। जिहाँ सिंगोरगढ़ किल्ला बने हे। येकर अलावा मदन महल किल्ला, चौरागढ़ के किल्ला रानी दुरगावती के राज्य के परमुख गढ़ मनमे एक रिहिस हे।

महारानी दुर्गावती के समकालीन मुगल सेनापति ख्वाजा अब्दुल मजीद आसफ खान रिहिस,जेनहर गोंडवाना के समपति के लालच मा मुगल आकरमन के नेतरित्व करिस । रानी दुर्गावती 40 बरस के उमर मा एक अइसन परिपाटी खड़े करदीस जौनहर आजो भी मानवता बर मिसाल बने हाबे हे। जेकर संसकार मा एक तरफ करुणा अउ संवेदना समावय ता दूसर कोती बीरता,पराकरम

अउ सतीत्व ओकर खून मा दउड़ें लागे। रानी दुर्गावती हा अपन छोटकुन जीवन काल म लगभग 52(बावन) जुद्ध लड़ीस तेमा 51(इनकावन) जुद्ध मा बिजय पाय रीहिस। मालवा सुलतान बाज बहादुर ले लेके मुगल सम्राट अकबर के अब्बड़ अकन भारी मुकाबला के मुंहतोड़ जवाब देय रिहिसे। रानी दुर्गावती हा अकबर सेना ला तीन बार जुद्ध म हराय रहिस, पहिलिच बार मा अकबर के 3000 हजार सैनिक मनला मारके हड़कंप मचा दिस । अकबर तरमरा के तरुवा ल धरलीस।

रानी अपन राज्य के जनता के खुशहाली बर सहानुभूति के के साथ जी परान देके दुसमन ले जुझय। वोहर जाति धरम ले ऊपर उठके रास्टर रक्छा बर ऊँचहा काम करय अपन सासन काल म बनाए मंदिर,मठ,इमारत, कुँआ, तरिया,नहर,धरमशाला येकर गवाही हे। सबो ला एके बरोबर अधिकार देइस,ओकर सासन काल मा गोंड,राजपूत, ठाकुर, अउ मुसलमान सेनापति तक मन मुखिया के पद धारन करके गद्दी मा आसीन होइन। रानी दुर्गावती हर वल्लभ समपरदाय के स्वामी विट्ठलनाथ के सुवागत करिस। रानी ल ओकर कई बिसेसता के कारन जाने जाथे, वो बहुत सुग्घर होय के संगे-संग बहादुर अउ काबिल शासिका तको रहिस। ओकर समराज म समरिद्धि अइसन रिहिस कि, जनता मन सोना के रुपिया-पइसा ले बेपार करय। इही समे देश ला सोन के चिरई के नाव ले जाने जाय। इहि समरिद्धि ला लूटे खातिर बाहरी आकरांतामन दुरगावती के राज्य मा घेरी - बेरी हमला करय । रानी दुर्गावती हा अकबर के सेना ला तीन बार जुद्ध म हराय रहिस।

रानी अकबर के सेना के संग चौँथइय्या जुद्ध म बुरा तरिका ले घेरागे। ओकर आँखी अउ गरदन मा तीर हर घुसगे,तब वोहर अपन संकलप विजय नहीं तो क्या हुआ, बलिदान तो संभव है..ल सुरता करत अपनेच खंजर ल निकालके अपन सीना मा घोंप दिस। दुनिया ला बताईस किट्ठ दुसमन के आगु मुड़ी नवाके अपमान भरे जीनगी जीए ले बढ़िया परान ला तियाग देना हे.। ये ढंग ले धरती माता अउ आत्म सनमान के रक्छा बर 24 जून 1564 के दिन अपन परान ला बलिदान कर दिस। वो इस्थान ला बरेला नाव ले जाने जाथे। जिहाँ जबलपुर अउ मंडला रोड़ नरई नाला के तीर म रानी दुरगावती के समाधि इस्थल हे।

रानी के सेना मा 20,000(बीस हजार) घुड़सवारी अउ 1,000(एक हजार) हाथी दल के संग बड़े संख्या म पैदल सेना सामिल रिहीस हे। मोटियारी (युवती) मनबर नारी वाहिनी तको गठित करे रिहिसे। महारानी दुरगावती के सासन म नारी सुरक्छा अउ समाज बेवसथा बर हजारों गाँव म रानी के परतिनिधि राहय,वोहर सउँहत सकती स्वरूपा नियाव के देवी रीहिस हे। महारानी दुर्गावती के सनमान म 1983 मा जबलपुर बिस्व विद्यालय के नाव बदलके रानी दुरगावती बिस्वविद्यालय कर देय गइस,ओकर नाव ले डॉक टिकिट घलोक जारी करे गिस।

ओला मुख्य रूप ले मुगल समराज्य के खिलाफ गोंडवाना (550करोड़ जुन्ना नाव गोंडवानालैण्ड) के रक्छा करे के सेती सुरता करे जाथें। हर साल 24 जून के महारानी दुरगावती बलिदान दिवस मा गोंडवाना समाज अउ मध्य परदेस सासन डाहर ले ये जगा मा ओला सरधा सुमन अरपित करथें।

मादक पदार्थों का नशा मस्तिष्क को अनियंत्रित करने वाला घातक जहर

डॉ. प्रितम भि.गेडाम

समस्त जीव-जगत में मनुष्य को सबसे बुद्धिमान प्राणी माना जाता है और इसका प्रमुख कारण उसका विकसित मस्तिष्क हैं। मानव शरीर की प्रत्येक गतिविधि, निर्णय और व्यवहार का संचालन मस्तिष्क द्वारा ही किया जाता हैं। यदि मस्तिष्क सही ढंग से कार्य न करे तो मनुष्य का अस्तित्व मात्र एक जिंदा लाश तक सीमित रह जाता हैं। दुर्भाग्य वश,नशा सबसे पहले और सबसे अधिक इसी मस्तिष्क पर आघात करता है। मादक पदार्थों का सेवन व्यक्ति की सोचने-समझने की क्षमता को प्रभावित कर देता है,जिससे वह सही और गलत के बीच का अंतर समझने में असमर्थ हो जाता हैं। नशे की स्थिति में व्यक्ति का अपने व्यवहार और भावनाओं पर नियंत्रण कम हो जाता हैं। यही कारण है कि अनेक अपराधों के पीछे नशे की महत्वपूर्ण भूमिका देखी जाती हैं। नशे की लत पूरी करने के लिए लोग चोरी, लूट, हिंसा और अन्य गैरकानूनी गतिविधियों का सहारा लेते हैं। आर्थिक तंगी बढ़ने पर कई बार स्थिति इतनी भयावह हो जाती है कि व्यक्ति अपने ही परिवार के सदस्यों के साथ हिंसक व्यवहार करने लगता हैं। समाचारों में अक्सर ऐसी घटनाएँ सामने आती हैं, जहाँ नशे की लत के कारण परिवार टूट जाते हैं और निर्दोष लोगों की जान तक चली जाती हैं। नशा केवल मस्तिष्क को ही नहीं, बल्कि शरीर के अन्य महत्वपूर्ण अंगों को भी धीरे-धीरे नुकसान पहुँचाता हैं। इसका परिणाम अनेक गंभीर और महंगी बीमारियों के रूप में सामने आता है, जो अंततः असमय मृत्यु का कारण बन सकती हैं। इसलिए नशा किसी भी रूप में मनोरंजन या राहत का साधन नहीं, बल्कि धीरे-धीरे जीवन को नष्ट करने वाला जहर हैं।

भारत सरकार का सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय प्रत्येक वर्ष नशा मुक्ति के लिए जागरूकता अभियान चलाता हैं। वर्ष 2026 में 17 जून से 26 जून तक 'नशा मुक्त सप्ताह' मनाया जा रहा है, जिसके अंतर्गत देशभर में विविध जनजागृति कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इस वर्ष की थीम है– वैश्विक स्तर पर ड्रग समस्या = इससे उत्पन्न चुनौतियाँ और उनके नए समाधान। यह विषय इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि आज नशीले पदार्थों की उपलब्धता और पहुँच पहले की तुलना में कहीं अधिक बढ़ गई हैं। छोटे बच्चों से लेकर युवाओं और वृद्धों तक, हर आयु वर्ग के लोग किसी न किसी रूप में इस समस्या की चपेट में आ रहे हैं।

हाल ही में समाचारों में प्रकाशित जानकारी के अनुसार नागपुर में पांच महीनों के भीतर पांच करोड़ रुपये मूल्य की नशीली सामग्री जब्त की गई। यदि एक शहर की यह स्थिति है,तो पूरे राज्य और देश में मादक पदार्थों की तस्करी का वास्तविक स्वरूप कितना व्यापक होगा,इसका सहज अनुमान लगाया जा सकता हैं। यह स्थिति केवल कानून-व्यवस्था की चुनौती नहीं है,बल्कि राष्ट्र के भविष्य के लिए भी गंभीर खतरा है। देश का युवा वर्ग किसी भी राष्ट्र की सबसे बड़ी शक्ति माना जाता हैं। यदि यही युवा नशे की गिरफ्त में आ जाए तो समाज और देश दोनों का विकास प्रभावित होता हैं। पहले के समय में कुछ लोग यह मानते थे कि नशा थकान दूर करता है या मानसिक तनाव कम करता हैं। सीमित शिक्षा और मनोरंजन के साधनों के कारण ऐसी धारणाएँ प्रचलित थीं। किंतु आज,जब शिक्षा,तकनीक और जागरूकता के अनेक साधन उपलब्ध हैं, तब भी बड़ी संख्या में युवा नशे को आधुनिकता,मौज-मस्ती या सामाजिक प्रतिष्ठा से जोड़कर देख रहे हैं। यह प्रवृत्ति अत्यंत चिंताजनक हैं।

जब परिवार का कोई एक सदस्य भी नशे का आदी हो जाता है,तो उसके दुष्परिणाम पूरे परिवार को भुगतने पड़ते हैं। परिवार आर्थिक संकट, मानसिक तनाव,सामाजिक अपमान और भावनात्मक पीड़ा का सामना करता हैं। नशे की लत व्यक्ति को धीरे-धीरे उसकी जिम्मेदारियों से दूर कर देती हैं। वह अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने में असफल होने लगता है और परिवार के अन्य सदस्य स्वयं को असुरक्षित तथा

असहाय महसूस करते हैं। यदि परिवार का मुखिया ही नशे का शिकार हो जाए, तो पूरे परिवार का भविष्य संकट में पड़ता हैं। नशा केवल व्यक्तिगत या पारिवारिक समस्या नहीं है,बल्कि यह राष्ट्रीय विकास में भी बड़ी बाधा हैं। इससे अपराध,बेरोजगारी,भ्रष्टाचार, गरीबी और सामाजिक अस्थिरता जैसी अनेक समस्याएँ बढ़ती हैं। जिन देशों में नशीले पदार्थों का व्यापार बड़े पैमाने पर फैला है,वहाँ सामाजिक और आर्थिक विकास गंभीर रूप से प्रभावित हुआ हैं। इसलिए नशे के विरुद्ध संघर्ष केवल स्वास्थ्य का प्रश्न नहीं, बल्कि सामाजिक और राष्ट्रीय जिम्मेदारी भी हैं।

बच्चों और किशोरों को नशे से दूर रखने में अभिभावकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। केवल बच्चों की इच्छाएँ पूरी करना या उन्हें भौतिक सुविधाएँ उपलब्ध कराना पर्याप्त नहीं हैं। अभिभावकों को यह जानना चाहिए कि उनके बच्चे किन लोगों के संपर्क में हैं, कहाँ समय बिताते हैं और किन गतिविधियों में शामिल रहते हैं। बच्चों के व्यवहार में होने वाले परिवर्तनों को समझना और समय रहते उचित मार्गदर्शन देना आवश्यक हैं। परिवार में ऐसा वातावरण होना चाहिए जहाँ बच्चे बिना किसी डर के अपने विचार और समस्याएँ साझा कर सकें। यदि माता-पिता बच्चों के मित्र बनकर संवाद स्थापित करें,तो बच्चों को गलत रास्ते पर जाने से रोका जा सकता हैं। बच्चों के व्यक्तित्व निर्माण में परिवार की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण होती है,इसलिए उनके संस्कार,नैतिक शिक्षा और जीवन मूल्यों पर विशेष ध्यान देना आवश्यक हैं।

आज समाज में कई ऐसी घटनाएँ देखने को मिलती है,जहाँ नशे की हालत में लोग गंभीर अपराध कर बैठते हैं। ऐसी घटनाएँ यह स्पष्ट करती हैं कि नशा व्यक्ति की निर्णय क्षमता को किस हद तक प्रभावित कर सकता हैं। इसलिए केवल अपराधी को दोषी ठहराना पर्याप्त नहीं है,बल्कि उन सामाजिक परिस्थितियों और लापरवाहियों पर भी विचार करना आवश्यक है, जो ऐसी घटनाओं को जन्म देती हैं। सरकारी आँकड़ों के अनुसार देश में नशे की शुरुआत की औसत आयु लगभग 12 से 13 वर्ष है,जो अत्यंत चिंताजनक तथ्य हैं। करोड़ों लोग शराब, गांजा,चरस,ओपिओइड्स तथा अन्य नशीले पदार्थों का सेवन कर रहे हैं। विश्व स्तर पर भी नशीली दवाओं के उपयोग में लगातार वृद्धि दर्ज की जा रही हैं। अवैध मादक पदार्थों का उत्पादन और तस्करी संगठित अपराध को बढ़ावा दे रही है तथा अनेक देशों के लिए गंभीर चुनौती बन चुकी हैं।

इस समस्या से निपटने के लिए अत्यधिक कड़े कानून की आवश्यकता हैं। नशे की गिरफ्त में आए लोगों को उपचार,पुनर्वास और भावनात्मक सहयोग की भी आवश्यकता होती हैं। तनाव, अकेलापन, चिंता, सामाजिक दबाव और भावनात्मक अस्थिरता जैसे कारण भी युवाओं को नशे की ओर धकेलते हैं। इसलिए उन्हें सकारात्मक जीवन मूल्यों,स्वस्थ जीवनशैली, आत्मविश्वास और मानसिक मजबूती की दिशा में मार्गदर्शन देना आवश्यक हैं। देशभर में नशा मुक्ति केंद्र,पुनर्वास केंद्र और सहायता सेवाएँ उपलब्ध हैं। नशामुक्त भारत अभियान के अंतर्गत हेल्पलाइन नंबर 14446 भी संचालित किया है,जहाँ सहायता प्राप्त की जा सकती हैं। जीवन अनमोल है और इसे नशे जैसी विनाशकारी आदतों में बर्बाद नहीं किया जाना चाहिए। यदि हम स्वयं जागरूक बनें और दूसरों को भी जागरूक करें, तो नशामुक्त समाज और स्वस्थ राष्ट्र के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। नशा जीवन में सुख,सफलता और सम्मान नहीं लाता, बल्कि धीरे-धीरे व्यक्ति, परिवार और समाज को विनाश की ओर ले जाता हैं। इसलिए हमें संकल्प लेना चाहिए कि स्वयं नशे से दूर रहेंगे और दूसरों को भी इससे बचाने का प्रयास करेंगे। यही स्वस्थ, सुरक्षित और समृद्ध भविष्य की सबसे मजबूत नींव हैं।

सावन के दोहे

डॉ. सुनील सावन
कुशीनगर,उत्तर प्रदेश

सन्धि समास समाज से,
तरुण अरुण नागेश।

नग नाग राग सुराग से,
नगपति भव्य भावेश।।

सरसराती हवा-दवा,
शीतल नेफा शाम।

सावन पावन सघन घन,
गिरि गोदी आराम।।

गीत गाती नदी-सदी,
गिरि की छाती चीर।

कल-कल करता आज कल,
अमल धवल पय-नीर।।

दर्शन दर्पण मन सुमन,
खग गिरि कण नद-नीर।

गगनचुम्बी गिरिवर पर ,
सावन सरस समीर।।

तटिनी के तट पर अरुण,
गौरैया व कपोत।

तप आतप उत्तुंग शिखर,
रिद्धि-सिद्धि के स्रोत।।

चीड़ ताड़ के आड़ में,
सावन सुखद समीर।

असीम आतप तप करे,
गुण गावें नद-नीर।।

हिमगिरि पर गूंजे सदा,
सरिता का संगीत।

सावन गांव गगन मगन,
गांवें खग-कुल गीत।।

कुसुम-महक खग-रग चहक,
नमन नयन नभ नील।

हरित ललित लतिका फलित,
संचित सागर झील।।

बैसाखियों को त्यागकर अपनी वास्तविक योग्यता, ज्ञान और कौशल को पहचानो

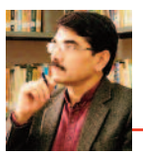

डॉ. मुश्ताक़ अहमद शाह सहज़
हरदा,मध्यप्रदेश

संसार में यदि आपको अपनी एक अमिट,विशिष्ट और सम्मानित पहचान स्थापित करनी है,तो आपको दूसरों के प्रभाव,रसूख या सिफारिशों की बैसाखियों को पूरी तरह त्यागकर अपने भीतर वास्तविक योग्यता, ज्ञान और कौशल का विकास करना होगा। वर्तमान दौर में जहाँ लोग अक्सर बड़े और सफल व्यक्तियों के साथ तस्वीरें खिंचवाने,उनके करीब दिखने या उनके नाम का सहारा लेकर खुद को महत्वपूर्ण साबित करने की होड़ में लगे रहते हैं, वहीं यह दर्शन उस खोखलेपन पर सीधा प्रहार करता है और समझाता है कि किसी रसूख़दार व्यक्ति के दाएँ-बाएँ खड़े होकर मिलने वाली तवज्जो महज़ एक अस्थायी भ्रम है,क्योंकि किसी दूसरे के सूरज की रोशनी से चमकने वाला चंद्रमा अपनी खुद की कोई स्वतंत्र चमक नहीं रखता और जैसे ही वह सहारा हटता है,व्यक्ति का खुद का वजूद भी पूरी तरह धुंधला और समाप्त हो जाता है। इसके विपरीत, जब आप शॉर्टकट का रास्ता छोड़ते हैं और अपनी पूरी ऊर्जा को आत्म-मंथन,कठिन परिश्रम,निरंतर सीखने की प्रक्रिया और अपने हुनर को तराशने में लगाते हैं, तब आपके भीतर जो लियाक़त यानी योग्यता पैदा होती है,वह एक ऐसी स्थायी और अमूल्य

संपत्ति होती है जिसे न तो कोई आपसे छीन सकता है और न ही समय के साथ उसकी प्रासंगिकता कम होती है। सच्चा आत्म-सम्मान और वास्तविक गरिमा इसी आत्मनिर्भरता से जन्म लेती है, क्योंकि जब आप अपनी काबिलियत के दम पर शिखर पर पहुँचते हैं,तो आपको किसी के नाम के सहारे की आवश्यकता नहीं होती, बल्कि समाज स्वतः ही आपकी प्रतिभा का लोहा मानता है और लोग आपके साथ खड़े होने में गर्व की अनुभूति करने लगते हैं। इसलिए, दूसरों की परछाईं बनकर अपने वजूद को ज़ाया करने के बजाय,हर इंसान को अपनी आंतरिक क्षमताओं को पहचानकर खुद को इस योग्य बनाना चाहिए कि वह भीड़ का हिस्सा बनने के बजाय भीड़ से अलग अपनी एक मुकम्मल पहचान बना सके, क्योंकि अंततः संसार में केवल और केवल आपकी खुद की योग्यता,आपका चरित्र और आपकी कर्मठता ही आपकी असली और स्थायी पहचान तय करती है।

सूचना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

-सम्पादक

व्यवस्था की चिता पर जलते सपने : आखिर कब रुकेगा मौत का कारोबार?

मौत की फैक्ट्री बनते शहर और सोती हुई व्यवस्था

योगेश कुमार गोयल

लखनऊ के अलीगंज स्थित एक कोचिंग सेंटर में लगी आग में 15 छात्रों की दर्दनाक मौत उस व्यवस्था के चेहरे से नकाब हटाने वाली त्रासदी है, जो वर्षों से भ्रष्टाचार, लापरवाही और प्रशासनिक उदासीनता के सहारे चल रही है। जिन बच्चों को उनके माता-पिता बेहतर भविष्य के सपने लेकर कोचिंग भेजते हैं,वे यदि धुएं से भरे कमरों,बंद दरवाजों और अवैध निर्माणों के बीच दम तोड़ दें तो उसे केवल हादसा कहना सच्चाई से मुंह मोड़ना होगा। यह उन परिस्थितियों में हुई मौत है, जिसे रोका जा सकता था,टाला जा सकता था और जिसकी जिम्मेदारी तय की जा सकती है। इसलिए यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि क्या यह वास्तव में हादसा था या फिर भ्रष्ट व्यवस्था द्वारा किया गया एक सुनियोजित प्रशासनिक हत्याकांड? घटना के विवरण किसी भी संवेदनशील व्यक्ति को झकझोर देने के लिए पर्याप्त हैं। आग लगने के बाद छात्र जान बचाने के लिए इधर-उधर भागे। कुछ तीसरी मंजिल से नीचे कूद गए, कुछ बाथरूम में छिप गए, यह सोचकर कि शायद वहां धुएं से बच सकेंगे लेकिन दम घुटने से उनकी मौत हो गई। यह दृश्य किसी युद्ध या प्राकृतिक आपदा का नहीं बल्कि उस इमारत का दृश्य था, जिसे नियमों की अनदेखी कर व्यावसायिक लाभ कमाने के लिए

तैयार किया गया था। जहां पर्याप्त सुरक्षा इंतजाम नहीं थे, जहां फायर सेफ्टी मानकों का पालन नहीं हुआ और जहां छात्रों की सुरक्षा से अधिक महत्व मुनाफे को दिया गया। कुछ ही समय पहले दिल्ली के मालवीय नगर में भी भीषण आग ने 21 लोगों की जान ले ली थी। उससे पहले मुंडका,अनाज मंडी,करोल बाग,अलीपुर और उपहार सिनेमा जैसे अनेक अग्निकांड देश देख चुका है। हर बार जांच में लगभग एक जैसी बातें सामने आती हैं,अवैध निर्माण,बंद निकास मार्ग, फायर एनओसी का अभाव,क्षमता से अधिक लोगों की मौजूदगी, प्रशासनिक अनदेखी और भ्रष्टाचार। यदि हर बार कारण एक जैसे हैं तो फिर इन घटनाओं को दुर्घटना नहीं बल्कि व्यवस्था की विफलता का परिणाम माना जाना चाहिए। लखनऊ अग्निकांड की प्रारंभिक जांच ने कई गंभीर सवाल खड़े किए हैं। जिस इमारत में कोचिंग सेंटर चल रहा था, वहां स्वीकृत नक्शे के विपरीत निर्माण किया गया था। सेटबैक क्षेत्र तक को कवर कर लिया गया था। नीचे पेट शॉप और गेमिंग जोन संचालित हो रहे थे जबकि ऊपर कोचिंग सेंटर और लाइब्रेरी चल रही थी। एक ही इमारत में अलग-अलग व्यावसायिक गतिविधियों का ऐसा मिश्रण सुरक्षा की दृष्टि से अत्यंत खतरनाक माना जाता है। सबसे गंभीर तथ्य यह सामने आया कि जिस रास्ते से छात्रों को बाहर निकलना था, वह प्रभावी रूप से बंद था। ऐसे में आग लगने के बाद उनके पास बचने का कोई विकल्प नहीं बचा। यह केवल तकनीकी गलती नहीं बल्कि मानव जीवन के प्रति घोर उपेक्षा का उदाहरण है। सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि ऐसी इमारतें अस्तित्व में आती कैसे हैं? क्या नगर निगम, विकास प्राधिकरण, फायर विभाग, बिजली विभाग और स्थानीय प्रशासन को इसकी जानकारी नहीं होती? कोई भी अवैध निर्माण रातों-रात खड़ा नहीं हो जाता। उसकी नींव पड़ती है, दीवारें खड़ी होती हैं, मंजिलें बनती हैं, बिजली-पानी के कनेक्शन दिए जाते हैं और फिर वहां व्यावसायिक गतिविधियां शुरू हो जाती हैं। इस पूरी प्रक्रिया में अनेक विभाग शामिल होते हैं। सच्चाई यही है कि भ्रष्टाचार और मिलीभगत की जड़ें इतनी गहरी हैं कि नियम केवल फाइलों में रह जाते हैं जबकि जमीन पर अवैधता का साम्राज्य खड़ा हो जाता है। देश का शहरी विकास मॉडल भी इस समस्या के लिए कम जिम्मेदार नहीं है। आज अधिकांश शहरों में अधिक से अधिक लाभ कमाने की होड़ लगी हुई है।

रेत तस्करी में कार्रवाई : नगर सैनिक से मारपीट कर वाहन छुड़ाने वाले दो आरोपी गिरफ्तार,रेत से भरा वाहन जब्त...

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,23 जून 2026 (घटती-घटना)।

रेत तस्करी के दौरान कार्रवाई करने पहुंचे खनिज विभाग के नगर सैनिक से मारपीट कर जब्त वाहन छुड़ाकर ले जाने के मामले में गांधीनगर पुलिस और साइबर सेल की संयुक्त टीम ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार घटना में शामिल अन्य आरोपी अभी फरार हैं,जिनकी तलाश जारी है। पुलिस के मुताबिक यह कार्रवाई डीआईजी एवं सरगुजा एसएसपी राजेश अग्रवाल के निर्देशन में की गई। अधिकारियों ने आपराधिक गतिविधियों में शामिल आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए थे।

खनिज विभाग की टीम के साथ जांच के दौरान हुई घटना

पुलिस के अनुसार प्रार्थी तारकेश्वर वर्मा, निवासी ग्राम महोदी तिल्दा खरोरा (रायपुर ग्रामीण),खनिज शाखा रायपुर में नगर सैनिक के पद पर कार्यरत हैं। 22 जून को वे केंद्रीय उड़नदस्ता टीम के साथ सरगुजा संभाग में जांच कार्रवाई के लिए पहुंचे थे। जांच के दौरान अधिकारियों के निर्देश पर रेत से भरे

एक वाहन को अभिरक्षा में लेकर कलेक्ट्रेट परिसर अंबिकापुर ले जाया जा रहा था। इसी दौरान वाहन चालक सोनू टोप्पो द्वारा वाहन मालिक का नाम लड्डन खान बताते हुए कथित रूप से धमकी दी गई। पुलिस के अनुसार गांधी चौक सिग्नल के पास वाहन मालिक सहित अन्य लोग मौके पर पहुंचे और नगर सैनिक के साथ गाली-गलौज एवं मारपीट की। आरोप है कि नगर सैनिक को पकड़कर वाहन छुड़ा लिया गया और चालक वाहन लेकर फरार हो गया।

24 घंटे के भीतर दो आरोपी गिरफ्तार : घटना की रिपोर्ट पर थाना गांधीनगर में अपराध क्रमांक 386/26 के तहत बीएनएस की संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। जांच के दौरान पुलिस टीम ने घेराबंदी कर दो आरोपियों को हिरासत में लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचानः

1. सोनू टोप्पो (19 वर्ष) पिता धनसिंह टोप्पो
2. धनसिंह टोप्पो (35 वर्ष) पिता रामजी टोप्पो

दोनों निवासी सिलफिली पहाड़गांव, थाना जयनगर, जिला सूरजपुर बताए गए हैं। पुलिस का कहना है कि पूछताछ में आरोपियों ने घटना में शामिल होना स्वीकार किया है। आरोपियों के कब्जे से रेत तस्करी में प्रयुक्त वाहन भी जब्त किया गया है। दोनों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया।

अन्य आरोपियों की तलाश जारी

पुलिस के अनुसार मामले में शामिल कुछ अन्य आरोपी घटना के बाद से फरार हैं। उनकी तलाश के लिए पुलिस टीम लगातार कार्रवाई कर रही है और जल्द गिरफ्तारी का दावा किया गया है। इस पूरी कार्रवाई में गांधीनगर थाना प्रभारी निरीक्षक प्रवीण कुमार द्विवेदी, उप निरीक्षक दिलीप दुबे, साइबर सेल प्रभारी सहायक उप निरीक्षक अजीत मिश्रा सहित पुलिस टीम के जवानों की भूमिका रही।

तेज बारिश और बिजली गुल का फायदा उठाकर बाल संप्रेक्षण गृह से 11 अपचारी बालक फरार

सुरक्षा व्यवस्था की खुली पोल, घटना के बाद मचा हड़कंप,तलाश में जुटी पुलिस और विभागीय टीम

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,23 जून 2026 (घटती-घटना)।

अंबिकापुर शहर से बड़ी खबर सामने आई है। तेज बारिश और बिजली गुल होने की स्थिति का फायदा उठाकर बाल संप्रेक्षण गृह से 11 अपचारी बालक फरार हो गए। घटना की जानकारी मिलते ही प्रशासन और पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। फरार बालकों की तलाश के लिए टीमों को सक्रिय किया गया है।

बताया जा रहा है कि मंगलवार को मौसम खराब होने के दौरान तेज बारिश के साथ बिजली व्यवस्था प्रभावित हुई थी। इसी दौरान बाल संप्रेक्षण गृह की सुरक्षा व्यवस्था का फायदा उठाते हुए अपचारी बालक वहां से निकलने में सफल हो गए। एक साथ इतनी बड़ी संख्या में बालकों के फरार होने से सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए हैं।

घटना के बाद मौके पर पहुंचे अधिकारियों ने स्थिति का जायजा लिया और कर्मचारियों से जानकारी ली। पुलिस की अलग-अलग टीमें फरार बालकों की तलाश में जुटी हैं। आसपास के क्षेत्रों में भी निगरानी बढ़ाई गई है।

पहले भी उठ चुके हैं सुरक्षा इंतजामों पर सवाल

बाल संप्रेक्षण गृह से अपचारी बालकों के फरार होने की यह पहली घटना नहीं है। इससे पहले भी ऐसी घटनाएं सामने आ चुकी हैं,जिसके बाद सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने के दावे किए गए थे। लेकिन एक बार फिर हुई इस घटना ने व्यवस्थाओं पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

अब जांच का विषय यह है कि आखिर इतनी बड़ी संख्या में बालक सुरक्षा घेरा तोड़कर कैसे बाहर निकल गए और उस समय ड्यूटी में तैनात कर्मचारियों की निगरानी व्यवस्था कैसी थी। प्रशासन ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

मोहर्रम को लेकर बनी कमेटी,इरशाद खान बने अध्यक्ष

बेहतर व्यवस्था और भाईचारे के साथ आयोजन का लिया संकल्प...12 मजहबी इदारों के जिम्मेदारों की मौजूदगी में हुआ गठन,जुलूस व्यवस्था,साफ-सफाई और अनुशासन पर हुई चर्चा...

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,23 जून 2026 (घटती-घटना)।

मोहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण, व्यवस्थित और आपसी भाईचारे के माहौल में संपन्न कराने के लिए शहर में मोहर्रम कमेटी का गठन किया गया है। मंगलवार को जनाब शफी अहमद साहब की अध्यक्षता में शहर के प्रमुख समाजजनों, मस्जिद कमेटियों के जिम्मेदारों और गणमान्य नागरिकों की मौजूदगी में आयोजित बैठक में सर्वसम्मति से नई कमेटी का चयन किया गया। बैठक में जनाब इरशाद खान (उर्फ पिंटू साहब) को अध्यक्ष, जनाब मुजीबूल खान (बरेजपारा) को कार्यकारी अध्यक्ष और जनाब सद्दाम खान (मोमिनपुरा) को सह-कार्यकारी अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई। इस दौरान शहर की 12 मजहबी इदारों के जिम्मेदारों ने भी नई

कमेटी के गठन पर सहमति जताते हुए आयोजन को सफल बनाने में सहयोग देने का भरोसा दिलाया। बैठक में मोहर्रम जुलूस को लेकर विशेष चर्चा की गई। जुलूस को निर्धारित समय पर निकालने, बेहतर प्रबंधन,अनुशासन बनाए रखने और सभी व्यवस्थाओं को सुचारू रूप से संचालित करने पर जोर दिया गया। इसके अलावा लंगर स्थलों और अन्य आयोजन क्षेत्रों में साफ-सफाई की व्यवस्था को लेकर भी जिम्मेदारियां तय करने पर चर्चा हुई। समाज के युवाओं और जागरूक नागरिकों की भागीदारी से मोहर्रम आयोजन को बेहतर बनाने का निर्णय लिया गया। उपस्थित लोगों ने कहा कि मोहर्रम का पर्व हमेशा की तरह अकीदत, अदब और एहतराम के साथ मनाया जाएगा तथा आपसी भाईचारे और सौहार्द की परंपरा को कायम रखा जाएगा।

नवगठित कमेटी के अध्यक्ष इरशाद खान (पिंटू साहब) ने सभी समाजजनों और कमेटियों के जिम्मेदारों का आभार जताते हुए कहा कि आयोजन की सफलता के लिए सभी का सहयोग आवश्यक है।

डेम में नाव पलटने से डूबे दो ग्रामीणों के शव मिले

एक की तलाश जारी,मछली पकडने गए थे 9 ग्रामीण,छह तैरकर निकले सुरक्षित

-संवाददाता-
सूरजपुर,23 जून 2026 (घटती-घटना)।

सूरजपुर जिले के करंजी चौकी क्षेत्र स्थित बतरा डेम में नाव पलटने से लापता तीन ग्रामीणों में से दो के शव मंगलवार को बरामद कर लिए गए। तीसरे ग्रामीण की तलाश डीडीआरएफ की टीम द्वारा लगातार जारी है। शव मिलने के बाद मौके पर मौजूद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। जानकारी के अनुसार, ग्राम राईं के नौ ग्रामीण सोमवार देर रात नाव से बतरा डेम में मछली पकडने गए थे। इसी दौरान नाव पलट गई। हादसे में छह ग्रामीण तैरकर सुरक्षित बाहर निकल आए, जबकि समयलाल कंवर उर्फ पाणे (47), जगपाल (45) और कंवलसाय राजवाड़े लापता हो गए थे। सूचना मिलने पर मंगलवार सुबह करंजी चौकी पुलिस और डीडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची। सुबह करीब 9.30 बजे शुरू हुए रेस्क्यू अभियान के दौरान करीब छह घंटे की मशक्कत के बाद समयलाल उर्फ पाणे और जगपाल के शव डेम से निकाल लिए गए। वहीं कंवलसाय राजवाड़े की तलाश जारी है। बताया जा रहा है कि डेम में पानी कम होने के कारण मछली पकडने पर प्रतिबंध है। इसके बावजूद ग्रामीण रात में नाव लेकर डेम पहुंचे थे। आशंका है कि नाव पलटने के बाद उसके नीचे दबने से तीनों ग्रामीण डूब गए। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

अज्ञात युवक की मौत...हादसा या हत्या पहचान अब तक नहीं, पुलिस ने की जनता से सहयोग की अपील

-संवाददाता-
प्रतापपुर,23 जून 2026 (घटती-घटना)।

प्रतापपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत 11 नंबर के पास सोमवार देर रात एक दर्दनाक अज्ञात युवक की लाशमिलने से सनसनी मच गई मौत की जानकारी के अनुसार रात लगभग 2 बजे किसी अज्ञात वाहन ने युवक को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे के बाद वाहन चालक रात के अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से फरार हो गया। घटना के समय युवक गंभीर रूप से घायल अवस्था में सड़क किनारे पड़ा हुआ था। स्थानीय लोगों की नजर घायल युवक पर पड़ने के बाद तत्काल डायल 112 को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही चंदौरा से 112 की पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घायल युवक को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र प्रतापपुर पहुंचाया गया। अस्पताल में डॉक्टरों ने युवक की जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। हादसा इतना गंभीर था कि युवक की जान नहीं बचाई जा सकी। फिलहाल मृतक की पहचान नहीं हो पाई है। पुलिस द्वारा मृतक के शव को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र प्रतापपुर की शवगृह में सुरक्षित रखा गया है। जिसका आज तक पता नहीं चल पाया है जिसके वजह से लास् दिन बा दिन सड़ रहा है प्रतापपुर पुलिस मामले की जांच में जुट गई है तथा अज्ञात वाहन और चालक की तलाश की जा रही है। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ करने के साथ ही संभावित साक्ष्यों को खंगाल रही है। मगर अब तक पता नहीं चल सका है। पुलिस ने आमजन से अपील करते हुए कहा है कि यदि किसी व्यक्ति को मृतक युवक के संबंध में कोई जानकारी हो अथवा वह उसकी पहचान कर सके तो तत्काल प्रतापपुर थाना या नजदीकी पुलिस चौकी को सूचित करें, ताकि मृतक की शिनाख्त कर उसके परिजनों तक सूचना पहुंचाई जा सके। इस दर्दनाक हादसे के बाद क्षेत्र में शोक और चिंता का माहौल है। वहीं अज्ञात वाहन चालक की गिरफ्तारी और मृतक की पहचान पुलिस के लिए बड़ी चुनौती बनी हुई है।

घंघरी में खूनी विवाद : महिला की हत्या,एक गंभीर घायल,गांव में तनाव,पुलिस जांच में जुटी

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,23 जून 2026 (घटती-घटना)।

गांधीनगर थाना क्षेत्र के ग्राम घंघरी में दो पक्षों के बीच हुए विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। विवाद के दौरान एक महिला की मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद गांव में तनाव का माहौल बना हुआ है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार ग्राम घंघरी में किसी बात को लेकर दो पक्ष आमने-सामने आ गए। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और मारपीट की स्थिति निर्मित हो गई। इसी दौरान महिला की मौत हो गई, जबकि एक अन्य व्यक्ति को गंभीर चोटें आईं। घायल को तत्काल उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही गांधीनगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। विवाद किन कारणों से शुरू हुआ और हत्या की वारदात किन परिस्थितियों में हुई, इसका खुलासा जांच के बाद ही हो सकेगा। पुलिस ने घटनास्थल से आवश्यक साक्ष्य जुटाए हैं और दोनों पक्षों के लोगों से पूछताछ की जा रही है। शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

डायल-112 पर हमला पड़ा भारी? पुलिस ने 72 घंटे में खोला पूरा राज!

सड़क हादसे के बाद भड़की भीड़ ने आरक्षक की वर्दी फाड़ी,चालक से भी की थी मारपीट,एक-एक कर दबोचे गए 8 आरोपी

शहर में जुलूस निकालने बाद भेजे गए जेल,अपराध करना पाप है पुलिस हमारा बाप है नारे के साथ गूंजा प्रतापपुर

-संवाददाता-
प्रतापपुर,23 जून 2026 (घटती-घटना)।

प्रतापपुर थाना क्षेत्र के रामपुर-खजुरी शिवपुर मार्ग पर हुए सड़क हादसे के बाद डायल-112 की टीम पर हमला करने वाले आरोपियों के खिलाफ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए आठ लोगों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया है। न्यायालय में प्रस्तुत किए जाने के बाद सभी आरोपियों को न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया। घटना के बाद पूरे जिले में चर्चित इस मामले में पुलिस की कार्रवाई को बड़ी सफलता माना जा रहा है। गौरतलब है कि 19 जून की रात रामपुर-खजुरी मार्ग पर सड़क किनारे खड़े ट्रक से टकराने के कारण बाइक सवार चार युवकों में से तीन की मौत हो गई थी, जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया था। हादसे की

सूचना मिलने पर डायल-112 की टीम तत्काल मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल पहुंचाने का कार्य शुरू किया। पुलिस के अनुसार आरक्षक निशांत टोप्पो एवं चालक विजय कुमार पटेल दो घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र प्रतापपुर पहुंचाने के बाद पुनः घटनास्थल लौटे थे। इसी दौरान वहां मौजूद आक्रोशित ग्रामीणों की भीड़ ने डायल-112 वाहन को घेर

लिया। भीड़ ने देर से पहुंचने का आरोप लगाते हुए आरक्षक और चालक के साथ गाली-गलौज शुरू कर दी तथा देखते ही देखते मामला मारपीट तक पहुंच गया। हमले में आरक्षक निशांत टोप्पो को आंख, सिर, सीने, पैर और कंधे में चोटें आईं, जबकि चालक विजय कुमार पटेल को भी सिर, पीठ और दोनों कंधों में चोट लगी। आरोपियों ने आरक्षक की वर्दी तक फाड़ दी। बाद में दोनों घायलों का चिकित्सीय परीक्षण कराया गया और मामले में विधिवत अपराध दर्ज किया गया। आरक्षक निशांत टोप्पो की शिकायत पर थाना प्रतापपुर में अपराध क्रमांक 180/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता की धारा 296, 115(2), 221, 132, 121(1), 191(2) एवं 190 के अंतर्गत प्रकरण दर्ज कर विवेचना प्रारंभ की गई। जांच के दौरान पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया, गवाहों के बयान दर्ज किए तथा साक्ष्य एकत्रित किए। आरक्षक की फटी हुई वर्दी को भी जब्त कर प्रकरण में शामिल किया गया। विवेचना के दौरान पुलिस ने ग्राम बैकोना निवासी मुकेश पैकरा, प्रकाश पैकरा उर्फ जीरा, करमसाय पैकरा, नरेश कुमार पैकरा, शिवसागर पैकरा, अभय पैकरा, पारसनाथ पैकरा एवं रामकेवल पैकरा को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पूछताछ और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर सभी आरोपियों को विधिवत गिरफ्तार किया गया। इसके बाद कार्यपालिक दंडाधिकारी के समक्ष पहचान परेड कराई गई, जहां प्रार्थी आरक्षक निशांत टोप्पो और चालक विजय कुमार पटेल ने सभी आरोपियों की पहचान की।

पुलिस ने बताया कि आरोपियों को 23 जून को अलग-अलग समय पर गिरफ्तार किया गया और गिरफ्तारी की सूचना उनके परिजनों को भी दी गई।

इसके बाद सभी आरोपियों को न्यायालय में प्रस्तुत कर 7 जुलाई 2026 तक न्यायिक रिमांड की मांग की गई। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि शासकीय कर्मचारियों पर हमला, शासकीय कार्य में बाधा और कानून व्यवस्था बिगाड़ने के मामलों में किसी भी प्रकार की ढिलाई नहीं बरती जाएगी।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का बलिदान राष्ट्र की एकता और अखंडता के लिए अमर प्रेरणा : भारत सिंह सिसोदिया

भाजपा सरगुजा ने बलिदान दिवस पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम एवं संगोष्ठी आयोजित कर डॉ. मुखर्जी के योगदान को किया याद

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,23 जून 2026 (घटती-घटना)।

भारतीय जनता पार्टी जिला सरगुजा द्वारा जिला संकल्प भवन स्थित भाजपा कार्यालय में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम एवं संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के सफल 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित 'विश्वास के 12 साल : सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण' स्मरण पखवाड़ा के अंतर्गत आयोजित किया गया। कार्यक्रम के प्रारंभ में भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं ने अम्बिकापुर रिंग रोड स्थित डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी चौक पहुंचकर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने उनके राष्ट्रवादी विचारों, संघर्ष और योगदान को याद किया। इसके बाद जिला संकल्प भवन में आयोजित संगोष्ठी में वक्ताओं ने डॉ. मुखर्जी के जीवन, राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान और देश की एकता-अखंडता के लिए किए गए संघर्षों पर अपने विचार रखे। भाजपा जिलाध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने

राष्ट्र की एकता और अखंडता के लिए अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया।

उन्होंने 'एक देश में दो विधान, दो निशान और दो प्रधान' की व्यवस्था का विरोध करते हुए राष्ट्रीय एकात्मता का संदेश दिया। उनका जीवन हर राष्ट्रभक्त के लिए प्रेरणा का स्रोत है और उनके विचार आज भी देश को दिशा प्रदान कर रहे हैं। पूर्व जिलाध्यक्ष ललन प्रताप सिंह ने कहा कि डॉ. मुखर्जी केवल राजनेता नहीं बल्कि दूरदर्शी राष्ट्रचिंतक थे। उन्होंने राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए भारत की सांस्कृतिक पहचान और एकता को मजबूत करने का कार्य किया। उनका बलिदान देशवासियों को सेवा, समर्पण और कर्तव्यनिष्ठा का संदेश देता है। कार्यक्रम में महापौर मंजूषा भगत, डॉ. अम्बिकेश केशरी, विनोद हर्ष, अरुणा सिंह, हरमिन्दर सिंह टिन्नी, मधु चौदाहा, विकास पांडेय, मनीष सिंह, जन्मेजय मिश्रा, श्वेता गुप्ता, मयंक जायसवाल, विकास वर्मा रिंकू, अनिल जायसवाल, नीलम राजवाड़े, प्रियंका चौबे, अभिषेक सिंह देव, संजीव वर्मा, रविकांत उरांव, सरस्वती यादव, अभय साहू, सत्यम साहू, नलिनी पांडेय, बबली नेताम, भूपेन्द्र सिंह, अभिमन्यु श्रीवास्तव सहित भाजपा के अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पिता की टांगी से हत्या कर दो बोरियों में भर फेंकी थी लाश,बेटा समेत चार आरोपी गिरफ्तार

सोशल मीडिया से हुई मृतक की शिनाख्त,पूछताछ में बेटे ने कबूला जुर्म,मां और मौसा की भूमिका भी आई सामने

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,23 जून 2026 (घटती-घटना)।

सूरजपुर जिले के रामानुजनगर थाना क्षेत्र के ग्राम तिवरागुड़ी के सरनापारा में 12 जून को दो बोरियों में मिली अज्ञात व्यक्ति की लाश की गुत्थी पुलिस ने सुलझा ली है। मामले में मृतक के बेटे, मां, मौसा और उसके दोस्त को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया है। पुलिस के अनुसार, मृतक की पहचान सोशल मीडिया के माध्यम से कोरिया जिले के बचरापोड़ी चौकी अंतर्गत ग्राम चिरमी परसापानी निवासी शिवप्रसाद सिंह (45) के रूप में हुई। जांच के दौरान पुलिस जब उसके घर पहुंची तो कमरे में खून के निशान मिले। संदेह के आधार पर बेटे अमृतलाल सिंह (19) से पूछताछ की गई, जिसमें उसने 10 जून की रात पिता की हत्या करने की बात स्वीकार कर ली। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसका पिता अक्सर उसकी मां और उसके साथ मारपीट व गाली-गलौज करता था। घटना वाले दिन भी मां के साथ मारपीट की जानकारी

मिलने पर उसने गुस्से में रात को सो रहे पिता के सिर पर टांगी और लोढ़ा से वार कर हत्या कर दी। बाद में मां के साथ मिलकर कमरे में फैले खून के निशान गोबर से लीपकर मिटा दिए। इसके बाद आरोपी ने अपने मौसा हरवंश सिंह को बुलाया। दोनों ने शव को दो बोरियों में भरकर बाइक से तिवरागुड़ी डेम की ओर ले जाना शुरू किया। रास्ते में बाइक फंसने पर दोस्त कौशल सिंह उइके को बुलाया गया। बाद में तीनों ने शव को सरनापारा स्थित बिजली खंभे के पास छोड़ दिया।

पुलिस ने मामले में आरोपी पुत्र अमृतलाल सिंह, उसकी मां बीरा बाई, मौसा हरवंश सिंह तथा दोस्त कौशल सिंह उइके को गिरफ्तार कर मंगलवार को न्यायालय में पेश किया, जहां से सभी को जेल भेज दिया गया।

नौगई तिहरा हत्याकांड : सुशील और अंजनी पर क्यों टिक गई सबकी निगाहें?

नौगई कांड में दो नामों का रहस्य : सुशील और अंजनी पर आखिर क्यों उठ रहे सवाल?

- घटना के बाद से सामने नहीं आने की चर्चा, जनमानस पूछ रहा–क्या जांच के दायरे में हैं दोनों नाम ?
- नौगई कांड में दो नाम सबसे ज्यादा चर्चा में...आखिर कहां हैं सुशील और अंजनी?
- नौगई हत्याकांडः घटना के बाद से गायब बताए जा रहे सुशील और अंजनी, आखिर क्यों ?
- क्या नौगई कांड की जांच में शामिल हैं सुशील और अंजनी? जनचर्चाओं में तेज हुए सवाल
- नौगई तिहरा हत्याकांडः फरारी की चर्चा और बढ़ाती शंकाएं

क्या पुलिस कर रही है तकनीकी जांच?

सूत्रों के अनुसार पुलिस इस मामले में तकनीकी साक्ष्यों पर भी विशेष ध्यान दे रही है,कॉल डिटेल रिकॉर्ड (सीडीआर),मोबाइल लोकेशन,घटना से पहले और बाद में हुई बातचीत तथा आरोपियों के संपर्कों की जांच की जा रही है, यदि ऐसा है तो यह जांच आगे चलकर महत्वपूर्ण साबित हो सकती है। घटना के समय कौन-कौन लोग आसपास मौजूद थे? किसने किससे बात की? घटना से पहले और बाद में किन लोगों के बीच लगातार संपर्क हुआ? इन सभी सवालों के जवाब तकनीकी जांच से मिल सकते हैं,आज अपराध जांच में मोबाइल डेटा,लोकेशन रिकॉर्ड और डिजिटल साक्ष्य कई बार सबसे महत्वपूर्ण प्रमाण साबित होते हैं,ऐसे में नौगई कांड में भी पुलिस की तकनीकी जांच आने वाले समय में कई नए तथ्य सामने ला सकती है।

रवि सिंह

कोरिया/सोनहत,23 जून 2026 (घटती-घटना)।

सोनहत थाना क्षेत्र के नौगई गांव में 16 और 17 जून की दरमियानी रात घटित तिहरे हत्याकांड ने पूरे कोरिया जिले सहित प्रदेश को झकझोर कर रख दिया है,एक ही परिवार के तीन लोगों को जिंदा जलाकर मौत के घाट उतार देने की घटना न केवल क्रूरता की पराकाष्ठा मानी जा रही है,बल्कि यह भी सवाल खड़ा कर रही है कि आखिर किसी भी समाज में इतनी भयावह मानसिकता कैसे विकसित हो सकती है कि पूरा परिवार एक साथ मिलकर ऐसी वारदात को अंजाम देने के लिए तैयार हो जाए,इस मामले में पुलिस ने अब तक नौ आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है,पुलिस लगातार विवेचना कर रही है और घटना के विभिन्न पहलुओं की जांच कर रही है। लेकिन गिरफ्तारी के बाद भी कई ऐसे सवाल हैं जो अभी तक अनुत्तरित हैं, इन्हीं सवालों के बीच दो नाम लगातार चर्चा में बने हुए हैं–सुशील और अंजनी,गांव की चौपालों से लेकर बाजारों तक,सोशल मीडिया से लेकर आम चर्चाओं तक,इन दोनों नामों को लेकर तरह-तरह की बातें सामने आ रही हैं,हालांकि पुलिस की ओर से अब तक इन दोनों को लेकर कोई आधिकारिक जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई है,लेकिन जनमानस में यह सवाल लगातार उठ रहा है कि आखिर घटना के बाद से इन दोनों की भूमिका को लेकर इतनी चर्चा क्यों हो रही है?

आखिर कौन हैं सुशील और अंजनी, और क्यों हो रही चर्चा?

ग्रामीणों और स्थानीय लोगों का कहना है कि आरोपी परिवार में सुशील और अंजनी की स्थिति सामान्य सदस्यों जैसी नहीं मानी जाती थी। गांव में यह धारणा लंबे समय से रही है कि परिवार के महत्वपूर्ण निर्णयों में इन दोनों की महत्वपूर्ण भूमिका रहती थी, इसी कारण जब इतनी बड़ी और संगठित घटना सामने आई, तो लोगों ने स्वाभाविक रूप से इन दोनों की भूमिका को लेकर भी सवाल उठाने शुरू कर दिए, जनचर्चाओं में यह भी कहा जा रहा है कि यदि परिवार के अन्य सदस्य इतनी बड़ी वारदात को अंजाम देने के लिए एकत्र हो सकते हैं, तो क्या परिवार के प्रभावशाली सदस्यों को इसकी जानकारी नहीं रही होगी? हालांकि यह केवल चर्चा और आशंकाओं का विषय है,लेकिन जब तक जांच एजेंसियां इस पर स्पष्ट स्थिति सामने नहीं लातीं,तब तक ऐसे सवाल उठना स्वाभाविक माना जा रहा है।

घटना के दिन से ही क्यों बताए जा रहे फरार?

घटना के बाद सबसे बड़ा प्रश्न यह उठ रहा है कि सुशील और अंजनी घटना के दिन से सार्वजनिक रूप से क्यों दिखाई नहीं दिए, स्थानीय स्तर पर यह चर्चा है कि दोनों घटना के बाद से गांव में नहीं देखे गए हैं और किसी के संपर्क में भी नहीं हैं,यही कारण है कि लोग सवाल उठा रहे हैं कि यदि उनकी कोई भूमिका नहीं है तो वे स्वयं सामने आकर अपनी स्थिति स्पष्ट क्यों नहीं कर रहे? आखिर ऐसा क्या कारण है कि तीन लोगों की मौत जैसी गंभीर घटना के बाद भी दोनों सार्वजनिक रूप से सामने नहीं आए? कई ग्रामीणों का कहना है कि यदि कोई व्यक्ति निर्दोष है तो सामान्यतः वह जांच एजेंसियों का सहयोग करता है और स्वयं को जांच के लिए उपलब्ध रखता है। हालांकि यह केवल जनधारणा है और किसी व्यक्ति के सामने न आने मात्र से उसे दोषी नहीं माना जा सकता, लेकिन ऐसे हालात संदेहों को अवश्य जन्म देते हैं।

घायलों के बयान बन सकते हैं निर्णायक

इस मामले की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी वे दो घायल सदस्य हैं जो अभी भी उपचाराधीन हैं, वे उसी परिवार के सदस्य हैं जिसने इस भयावह घटना को झेला है, फिलहाल उनकी स्थिति ऐसी नहीं बताई जा रही कि वे विस्तृत बयान दे सकें, लेकिन जैसे ही उनकी हालत में सुधार होगा,उनके बयान पूरी जांच की दिशा बदल सकते हैं, वे प्रत्यक्षदर्शी हैं और संभव है कि वे उन तथ्यों से पर्दा उठाएं जो अभी तक जांच एजेंसियों के सामने नहीं आए हैं,यही कारण है कि पुलिस भी घायलों के बयान को इस मामले का महत्वपूर्ण हिस्सा मानकर चल रही होगी।

क्या जांच का दायरा और बढ़ेगा?

जनता के बीच यह चर्चा भी है कि गिरफ्तार नौ आरोपियों के अलावा क्या अन्य लोगों की भूमिका की भी जांच हो रही है? यदि हो रही है तो उसकी प्रगति क्या है? क्या किसी और का नाम जांच के दायरे में है? क्या सुशील और अंजनी से पूछताछ की गई है या की जाएगी? इन सवालों के जवाब अभी सार्वजनिक रूप से उपलब्ध नहीं हैं। लेकिन चूंकि मामला तीन हत्याओं का है और पूरे प्रदेश का ध्यान इस पर केंद्रित है, इसलिए लोग जांच की पारदर्शिता और निष्पक्षता को लेकर भी सजग हैं।

न्याय केवल होना ही नहीं चाहिए, दिखना भी चाहिए...

कानून विशेषज्ञों का मानना है कि ऐसे मामलों में केवल निष्पक्ष जांच होना पर्याप्त नहीं होता,बल्कि यह भी आवश्यक होता है कि जांच निष्पक्ष दिखाई भी दे,यदि किसी नाम को लेकर व्यापक चर्चा हो रही है तो जांच एजेंसियों को उस पहलू पर भी स्पष्टता लानी चाहिए,ताकि अफवाहों और अटकलों का बाजार बंद हो सके,नौगई तिहरे हत्याकांड में भी यही स्थिति दिखाई दे रही है, लोग चाहते हैं कि पुलिस हर उस पहलू की जांच करे जो घटना की सच्चाई तक पहुंचने में मददगार हो सकता है।

तीन मौतें,दो घायल और अनगिनत सवाल

नौगई कांड में तीन लोगों की जान जा चुकी है, दो लोग अभी भी अस्पताल में जीवन के लिए संघर्ष कर रहे हैं, एक पूरा परिवार उजड़ गया है, ऐसे में समाज का यह अधिकार भी है कि घटना की पूरी सच्चाई सामने आए, सुशील और अंजनी की भूमिका को लेकर उठ रहे सवाल सही हैं या गलत, इसका फैसला जनचर्चाएं नहीं बल्कि पुलिस जांच और न्यायालयीन प्रक्रिया करेगी, लेकिन यह भी उतना ही सत्य है कि जब तक इन सवालों का जवाब नहीं मिलेगा, तब तक नौगई कांड को लेकर चर्चाओं का दौर थमने वाला नहीं है, अब पूरे जिले की निगाहें पुलिस विवेचना पर टिकी हैं, लोग यह जानना चाहते हैं कि क्या सुशील और अंजनी केवल जनचर्चाओं का हिस्सा हैं या फिर जांच एजेंसियों के पास ऐसे तथ्य भी हैं जो उनकी भूमिका को लेकर कोई नई कहानी सामने ला सकते हैं, इसका जवाब आने वाला समय और पुलिस की जांच ही दे सकेगी।

नौगई जघन्य हत्याकांड में बड़ा खुलासा : तीन और आरोपी गिरफ्तार

कॉल डिटेल और पूछताछ के आधार पर कार्रवाई...हथियार भी बरामद होने की चर्चा...

आरोपियों की संख्या बढ़ी,जांच में सुनियोजित साजिश के संकेत और मजबूत

रवि सिंह

कोरिया/सोनहत 23 जून 2026 (घटती-घटना)।

सोनहत थाना क्षेत्र के ग्राम नौगई में हुए बहुचर्चित तिहरे हत्याकांड की जांच में पुलिस को एक बड़ी सफलता मिलने की खबर सामने आई है,सूत्रों के अनुसार मामले में तीन अन्य आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है,इन गिरफ्तारियों के बाद अब इस जघन्य हत्याकांड में शामिल आरोपियों की संख्या बढ़ गई है, जिससे यह मामला और अधिक गंभीर तथा व्यापक साजिश से जुड़ा हुआ प्रतीत होने लगा है।

दो दिनों से चल रही थी पूछताछ

सूत्रों के मुताबिक पुलिस पिछले दो दिनों से मनीष त्रिपाठी,अनिल तिवारी और जितेंद्र त्रिपाठी से लगातार पूछताछ कर रही थी,बताया जा रहा है कि जांच के दौरान इन तीनों से गहन पूछताछ की गई और उन्हें थाने से घर जाने की अनुमति भी नहीं दी गई थी,पुलिस तकनीकी साक्ष्यों और अन्य तथ्यों के आधार पर उनकी भूमिका की जांच कर रही थी,जानकारी के अनुसार पूछताछ के दौरान कई महत्वपूर्ण जानकारियां सामने आईं,जिसके बाद पुलिस ने तीनों को औपचारिक रूप से गिरफ्तार कर लिया,हालांकि पुलिस की ओर से अभी तक इस संबंध में विस्तृत आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।

कॉल डिटेल ने खोले कई राज–जांच से जुड़े सूत्रों का कहना है कि कॉल डिटेल रिकॉर्ड (सीडीआर) और अन्य तकनीकी साक्ष्यों ने इस मामले में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है,पुलिस को आरोपियों के बीच संपर्क और घटनाक्रम से जुड़े कुछ ऐसे तथ्य मिले हैं, जिन्होंने जांच को नई दिशा दी। इन्हीं तथ्यों के आधार पर गिरफ्तारी की कार्रवाई की गई बताई जा रही है,हालांकि पुलिस ने अभी तक यह स्पष्ट नहीं किया है कि गिरफ्तार आरोपियों की कथित भूमिका क्या रही और वे घटना में किस स्तर तक शामिल थे, यह जानकारी संभवतः न्यायालयीन प्रक्रिया और पुलिस की आधिकारिक प्रेस ब्रीफिंग के बाद सामने आएगी।

निशानदेही पर हथियार बरामद होने की चर्चा...

सूत्रों के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस ने वारदात में इस्तेमाल किए गए कुछ हथियार भी बरामद किए हैं। बताया जा रहा है कि डंडे और फरसा जैसे घातक हथियार जब्त किए गए हैं। हालांकि बरामदगी की पूरी सूची और उसकी फॉरेंसिक जांच संबंधी जानकारी अभी सार्वजनिक नहीं की गई है,विशेषज्ञों का मानना है कि यदि बरामद हथियारों का संबंध घटना से स्थापित हो जाता है तो यह जांच के लिए एक महत्वपूर्ण साक्ष्य साबित हो सकता है।

सुनियोजित साजिश की ओर बढ़ रहे संकेत

लगातार हो रही गिरफ्तारियों और नए नामों के सामने आने से यह मामला अब केवल एक सामान्य आपराधिक घटना नहीं बल्कि एक सुनियोजित और पूर्व नियोजित साजिश की ओर संकेत करता दिखाई दे रहा है,जांच के शुरुआती चरण में जिन लोगों के नाम सामने आए थे, अब उसके दायरे का विस्तार होता नजर आ रहा है,हालांकि किसी भी व्यक्ति की भूमिका और दोष तय करना न्यायालय का विषय है, लेकिन अब तक की जांच से यह स्पष्ट है कि पुलिस इस मामले की परत-दर-परत पड़ताल कर रही है और नए तथ्य लगातार सामने आ रहे हैं।

मनीष

अनिल

जितेन्द्र

अब पुलिस के आधिकारिक खुलासे का इंतजार

खबर लिखे जाने तक गिरफ्तार आरोपियों को न्यायालय में पेश करने की तैयारी चल रही थी,पूरे क्षेत्र की निगाहें अब पुलिस के आधिकारिक खुलासे पर टिकी हुई हैं,लोगों को उम्मीद है कि आने वाले दिनों में पुलिस इस बहुचर्चित हत्याकांड की साजिश,आरोपियों की भूमिका और बरामद साक्ष्यों को लेकर विस्तृत जानकारी सार्वजनिक करेगी। वहीं पीड़ित परिवारों और आमजन की अपेक्षा है कि जांच निष्पक्ष, पारदर्शी और वैज्ञानिक आधार पर आगे बढ़े ताकि दोषियों को कानून के अनुसार सजा मिल सके।

CMYK

नेताओं ने जंजीरें डालीं, पुलिस बंधी रही... और आखिर में आरोपी भी वही बनी!

नौगई हत्याकांडः नेताओं की जंजीरों में बंधी पुलिस, अब चारों तरफ से कटघरे में

विधायक, पीड़ित, आरोपी और जनता–सबके निशाने पर पुलिस, क्या राजनीतिक दबावों ने छीनी निष्पक्षता?

फोन नेताओं के, कटघरे में पुलिस क्यों? तीन मौतें, चार आरोपकर्ता और बीच में खड़ी पुलिस

नेताओं की राजनीति में फंसी पुलिस, न्याय की राह हुई कठिन, जंजीरें राजनीतिक, जवाबदेही पुलिस की!

अब सवाल जवाबदेही का है...

नौगई तिहरा हत्याकांड में सबसे बड़ा प्रश्न केवल यह नहीं है कि अपराध किसने किया,सवाल यह भी है कि क्या यह अपराध रोका जा सकता था? क्या समय रहते पर्याप्त कार्रवाई की जा सकती थी? क्या राजनीतिक हस्तक्षेपों ने स्थिति को प्रभावित किया? क्या पुलिस ने स्वतंत्र और निष्पक्ष निर्णय लिए? और क्या भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए कोई सीख ली जाएगी? इन प्रश्नों के उत्तर केवल इस मामले के लिए ही नहीं, बल्कि पूरे प्रशासनिक ढांचे की विश्वसनीयता के लिए आवश्यक हैं,क्योंकि यदि पुलिस राजनीतिक जंजीरों में बंधी रहेगी और नेता हर संकट के बाद स्वयं को अलग कर लेंगे,तो हर बड़ी घटना के बाद कटघरे में केवल पुलिस ही दिखाई देगी,नौगई की त्रासदी यही संदेश दे रही है कि कानून का शासन केवल तब मजबूत होगा जब पुलिस कानून के प्रति जवाबदेह रहेगी, नेताओं के प्रति नहीं,और जनप्रतिनिधि भी यह समझेंगे कि थानों और जांच प्रक्रियाओं को प्रभावित करने का प्रयास अंततः समाज, न्याय और लोकतंत्र–तीनों को कमजोर करता है, तीन मौतों ने केवल एक परिवार को नहीं उजाड़ा है, बल्कि व्यवस्था के सामने यह आईना भी रख दिया है कि कानून और राजनीति के बीच खींची जाने वाली रेखा यदि धुंधली होगी,तो अंततः उसकी कीमत जनता को ही चुकानी पड़ेगी।

रवि सिंह

कोरिया/सोनहत,23 जून 2026 (घटती-घटना)।

कोरिया जिले के सोनहत क्षेत्र के नौगई तिहरा हत्याकांड ने केवल तीन लोगों की जान नहीं ली,बल्कि प्रशासनिक व्यवस्था, पुलिस की कार्यशैली और राजनीतिक हस्तक्षेप को लेकर भी गंभीर बहस छेड़ दी है, घटना के बाद जिस तरह से आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हुआ,उसने इस मामले को एक सामान्य आपराधिक घटना से कहीं आगे पहुंचा दिया है, आज स्थिति यह है कि इस पूरे प्रकरण में सबसे ज्यादा सवाल पुलिस पर खड़े हो रहे हैं,स्थानीय विधायक पुलिस को जिम्मेदार बता रही हैं,दूसरे क्षेत्र के जनप्रतिनिधि भी पुलिस की भूमिका पर प्रश्न उठा रहे हैं, पीड़ित परिवार पुलिस को कटघरे में खड़ा कर रहा है और आरोपी पक्ष भी पुलिस की कार्यप्रणाली को ही घटना के लिए जिम्मेदार ठहरा रहा है,ऐसे में सबसे बड़ा प्रश्न यही है कि आखिर ऐसी कौन-सी परिस्थितियां बनीं कि घटना के बाद हर पक्ष की उंगली पुलिस की ओर उठ रही है? क्या वास्तव में पुलिस पूरी तरह दोषी है, या फिर पुलिस स्वयं राजनीतिक दबावों और प्रभावों के जाल में उलझकर इस स्थिति तक पहुंची है?

राजनेताओं की बात सुनना और राजनेताओं के अनुसार चलना, दोनों अलग बातें हैं...

लोकतंत्र में जनप्रतिनिधियों की भूमिका महत्वपूर्ण होती है,विधायक,सांसद और अन्य निर्वाचित प्रतिनिधि जनता की समस्याओं को प्रशासन तक पहुंचाते हैं,पुलिस और प्रशासन का दायित्व है कि वे उनकी बात सुनें, शिकायतों को गंभीरता से लें और आवश्यक कार्रवाई करें,लेकिन समस्या तब शुरू होती है जब सुनने और मानने के बीच की दूरी खत्म हो जाती है,पुलिस का पहला दायित्व किसी विधायक,मंत्री या प्रभावशाली व्यक्ति के प्रति नहीं बल्कि संविधान,कानून और न्याय व्यवस्था के प्रति होता है, जनप्रतिनिधियों की उचित मांगों पर कार्रवाई करना एक बात है, लेकिन यदि किसी मामले में दबाव,पक्षपात या प्रभाव के आधार पर निर्णय लिए जाने लगें तो कानून की निष्पक्षता समाप्त होने लगती है,देश भर में ऐसे अनेक उदाहरण रहे हैं जहां राजनीतिक दबावों में लिए गए निर्णयों ने बाद में प्रशासन और पुलिस दोनों को कटघरे में खड़ा कर दिया,नौगई का मामला भी कुछ वैसा ही दिखाई दे रहा है,जहां चर्चा इस बात की है कि पुलिस कई दिशाओं से आने वाले राजनीतिक संकेतों और दबावों के बीच अपना स्वतंत्र विवेक खो बैठी।

पुलिस के लिए एक बड़ा सबक...

नौगई तिहरा हत्याकांड पुलिस के लिए केवल एक जांच का विषय नहीं बल्कि एक बड़ा सबक भी है,कानून व्यवस्था की जिम्मेदारी निभाने वाले अधिकारियों को यह समझना होगा कि राजनीतिक निकटता कभी भी पेशेवर निष्पक्षता का विकल्प नहीं हो सकती, जनप्रतिनिधियों की बात सुनना आवश्यक है, लेकिन अंतिम निर्णय कानून के आधार पर होना चाहिए,यदि पुलिस अपने विवेक को राजनीतिक प्रभावों के हवाले कर देगी तो अंततः किसी भी विवाद,हिंसा या विफलता की जिम्मेदारी उसी के सिर आएगी,आज नौगई मामले में यही होता दिखाई दे रहा है, घटना के बाद राजनीतिक बयान बदल सकते हैं,पक्ष बदल सकते हैं,आरोपों की दिशा बदल सकती है,लेकिन पुलिस का रिकॉर्ड और उसके निर्णय हमेशा जांच के दायरे में रहते हैं।

निष्पक्ष जांच केवल पुलिस तक सीमित नहीं रहनी चाहिए...

यदि जांच केवल पुलिस की भूमिका तक सीमित रहती है तो संभव है कि पूरी सच्चाई सामने न आ पाए, जांच का दायरा व्यापक होना चाहिए, यह देखा जाना चाहिए कि घटना से पहले किन-किन लोगों ने प्रशासन से संपर्क किया,किस स्तर पर कौन-कौन सी सूचनाएं दी गईं, किस अधिकारी ने क्या निर्णय लिया, किस आधार पर निर्णय लिया गया, क्या किसी स्तर पर राजनीतिक प्रभाव या दबाव था? क्या किसी पक्ष को अनुचित संरक्षण मिला? क्या किसी सूचना को जानबूझकर कम महत्व दिया गया? इन सभी प्रश्नों के उत्तर ही इस मामले की वास्तविक तस्वीर सामने ला सकते हैं।

घटना के बाद सभी खुद को बचाने में लगे दिखाई दे रहे हैं...

किसी भी बड़ी घटना के बाद अक्सर एक पैटर्न देखने को मिलता है,जब तक सब सामान्य रहता है, तब तक कई लोग निर्णय प्रक्रिया का हिस्सा बने रहते हैं,लेकिन जैसे ही स्थिति बिगड़ती है, हर कोई स्वयं को उस प्रक्रिया से अलग साबित करने लगता है,नौगई मामले में भी कुछ ऐसा ही दिखाई दे रहा है,अब हर पक्ष यह बताने में लगा है कि उसकी कोई भूमिका नहीं थी, राजनीतिक पक्ष कह रहा है कि उसने तो केवल सूचना दी थी, पुलिस कह रही है कि उसने अपनी तरफ से कार्रवाई की,अन्य पक्ष अपनी-अपनी सफाई दे रहे हैं,लेकिन तीन लोगों की मौत यह संकेत दे रही है कि कहीं न कहीं व्यवस्था की कई परतें एक साथ विफल हुई हैं।

जब चारों तरफ से पुलिस ही आरोपी दिखने लगे...

इस पूरे मामले का सबसे दिलचस्प और गंभीर पहलू यह है कि घटना के बाद लगभग हर पक्ष पुलिस को ही जिम्मेदार ठहरा रहा है,स्थानीय विधायक का कहना है कि उन्होंने लगातार अधिकारियों को सूचना दी,आईजी तक को फोन किया,थाना प्रभारी से बात की और संभावित खतरे के बारे में आगाह किया,दूसरी ओर जिन लोगों की मौत हुई है,उनके क्षेत्र के राजनीतिक प्रतिनिधि भी पुलिस की निष्क्रियता को घटना का कारण बता रहे हैं,पीड़ित परिवार का आरोप है कि समय रहते कार्रवाई होती तो उनके परिजनों की जान बच सकती थी,वहीं आरोपी पक्ष भी यह दावा कर रहा है कि पुलिस ने स्थिति को सही तरीके से नहीं संभाला,ऐसे में स्वाभाविक रूप से यह प्रश्न उठता है कि यदि सभी पक्ष पुलिस को ही दोषी मान रहे हैं तो आखिर पुलिस किसके अनुसार काम कर रही थी? क्या पुलिस वास्तव में स्वतंत्र निर्णय ले रही थी,या फिर वह अलग-अलग राजनीतिक और सामाजिक दबावों के बीच संतुलन बनाने की कोशिश में अपनी मूल जिम्मेदारी से भटक गई?

लगातार फोन कॉल और बढ़ते सवाल...

इस मामले में एक महत्वपूर्ण पहलू उन फोन कॉल्स को लेकर भी सामने आ रहा है जिनका जिक्र स्वयं राजनीतिक स्तर पर किया गया है, कहा गया कि अधिकारियों को बार-बार फोन किए गए,थाना प्रभारी से लगातार संपर्क किया गया और मामले की गंभीरता बताई गई,यदि यह दावा सही है तो कुछ महत्वपूर्ण प्रश्न सामने आते हैं,यदि वास्तव में मामला इतना गंभीर था और बार-बार जानकारी दी जा रही थी तो पुलिस ने पर्याप्त कदम क्यों नहीं उठाए? यदि पुलिस ने कदम उठाए थे तो वे प्रभावी क्यों नहीं साबित हुए? और यदि पुलिस ने जानकारी को गंभीरता से नहीं लिया तो फिर जिम्मेदारी तय क्यों नहीं की जानी चाहिए? लेकिन इसके साथ ही एक दूसरा प्रश्न भी उतना ही महत्वपूर्ण है,यदि किसी जनप्रतिनिधि का किसी थाना प्रभारी या अधिकारी से लगातार और लंबे समय तक संपर्क बना हुआ था तो उन बातचीतों की प्रकृति क्या थी? क्या केवल सूचना दी जा रही थी या फिर किसी विशेष प्रकार की कार्रवाई अथवा हस्तक्षेप की अपेक्षा भी की जा रही थी? यही कारण है कि अब कई लोग इस पूरे मामले में कॉल डिटेल रिकॉर्ड (सीडीआर) और संवादों की निष्पक्ष जांच की मांग कर रहे हैं।

क्या पुलिस विधायक के फोन को नजरअंदाज कर सकती है?

यह भी एक ऐसा प्रश्न है जिस पर चर्चा आवश्यक है,आमतौर पर एक साधारण नागरिक कई बार थाने के चक्कर लगाता है,आवेदन देता है और तब जाकर उसकी बात सुनी जाती है,इसके विपरीत किसी विधायक, सांसद या मंत्री का फोन आते ही पूरा प्रशासन सक्रिय हो जाता है,यह भारतीय प्रशासनिक व्यवहार की स्थापित वास्तविकता है,ऐसे में यदि कोई यह दावा करे कि विधायक द्वारा बार-बार फोन किए जाने के बावजूद पुलिस बिल्कुल गंभीर नहीं हुई,तो यह दावा भी कई सवाल खड़े करता है,क्या वास्तव में पुलिस ने सूचना को नजरअंदाज कर दिया? क्या मामला उतना गंभीर समझा ही नहीं गया? या फिर परिस्थिति कुछ और थी, जिसे अभी तक सार्वजनिक रूप से स्पष्ट नहीं किया गया है? यही कारण है कि इस मामले की निष्पक्ष और गहन जांच आवश्यक दिखाई देती है।

पुलिस की सबसे बड़ी कमजोरी : राजनीतिक जंजीरों में स्वयं को बांध लेना...

भारतीय प्रशासनिक व्यवस्था में एक कड़वी सच्चाई यह भी है कि कई बार अधिकारी अपनी कार्यशैली को कानून से ज्यादा राजनीतिक परिस्थितियों के अनुसार ढालने लगते हैं,कारण अनेक हो सकते हैं,किसी को पदस्थापना की चिंता होती है, किसी को स्थानांतरण का डर होता है,कोई राजनीतिक संरक्षण चाहता है और कोई स्थानीय प्रभावशाली वर्ग को नाराज नहीं करना चाहता,परिणाम यह होता है कि अधिकारी धीरे-धीरे अपने पैरों में राजनीतिक जंजीरें स्वयं बांध लेते हैं,शुरुआत में उन्हें लगता है कि यह व्यवस्था चलाने का आसान तरीका है,लेकिन जब कोई बड़ी घटना घटती है तो वही जंजीरें उनके लिए बोझ बन जाती हैं,नौगई मामले में भी चर्चा इसी प्रकार की हो रही है कि पुलिस कई स्तरों पर आने वाले राजनीतिक दबावों और संपर्कों के बीच उलझी रही। यदि ऐसा हुआ है तो यह पुलिस की पेशेवर स्वतंत्रता पर बड़ा प्रश्नचिह्न है।

नाम परिवर्तन सूचना

प्ररूप-(एक)

मै हरिशचन्द्र राजवाड़े माता/पिता/पालक का नाम) सुपुत्र/सुपुत्री नेतराम राजवाड़े गाँव/शहर महुआटिकरा, पो0 भिट्ठीकला तहसील-अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा,छत्तीसगढ़ राज्य ने अपने नाबालिग सुपुत्र/सुपुत्री का नाम निशांत राजवाड़े (NISHANT RAJWADE) (पुराना नाम) से बदल नेहरू राजवाडे (NEHARU RAJWADE) (नया नाम) रख लिया है।

पालक
हरिशचन्द्र राजवाड़े
महुआटिकरा, पो0 भिट्ठीकला
तहसील-अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा

नाम परिवर्तन सूचना

प्ररूप-(एक)

मै धनेश्वर सिंह पैकरा माता/पिता/पालक का नाम) सुपुत्र/सुपुत्री राम दास पैकरा , गाँव/शहर खोन्धला, थाना-तहसील-उदयपुर, जिला-सरगुजा,छत्तीसगढ़ राज्य ने अपने नाबालिग सुपुत्र/सुपुत्री का नाम उदित्य (UDITY) (पुराना नाम) से बदल उदित्य नारायण (UDITYA NARAYAN) (नया नाम) रख लिया है।

पालक
धनेश्वर सिंह पैकरा
खोन्धला,थाना-तहसील-उदयपुर,
जिला-सरगुजा,छत्तीसगढ़

न्यायालय नायब तहसीलदार तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छ0ग0)
रा.प्र.क्र.ब / 121 वर्ष
ग्राम प.ह.न.

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक अनंत राम जाति गोड़ निवासी ग्राम कुसमुसी ..प.ह.न. रा.नि.मं. भैयाथान तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छ0ग0) द्वारा आवेदन पेश किया गया है कि आवेदक के पुत्र/पुत्री पृथ्वी सिंह का जन्म. दिनांक26/03/2.0.08. को ग्राम कुसमुसी में हुई है, अज्ञानतावश जन्म पंजीयन नहीं करा पाया है। आवेदक अपने पुत्र / पुत्री पृथ्वी सिंह..का जन्म पंजीयन हेतु ग्राम पंचायत...कुसमुसी को आदेशित करने आवेदन पेश किया है। जिसके संबंध में प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतः उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से पेशी दिनांक 28/6/26 तक अपना आपत्ति इस न्यायालय में पेश कर सकते हैं। नियत तिथी के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 14/06/26 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया ।

सील — **कार्यपालिक दण्डाधिकारी भैयाथान जिला-सूरजपुर(छ0ग0)**

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा.
रा.प्र.क्र./अ-20(1)/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक / आवेदिका लक्ष्मी ताम्रकार आ0/पति संजय ताम्रकार व अन्य 03 जाति ठठेर, निवासी जोड़ापीपल केदारपुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है। कि मोहल्ला - केदारपुर, शीट नम्बर-3 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 1255/1, 1256/1, 1257, 1258 /1,1260 रकबा 0.01 1/4, 0.05 1/4, 0.03, 0.01 1/2, 0.07 एकड़ भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण आवेदक/ आवेदिका द्वारा लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा / आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक-3/जुलाई2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा / आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा।

आज दिनांक- 19/जून/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी ।

सील — **नजूल अधिकारी ,अंबिकापुर**

न्यायालय तहसीलदार लखनपुर, जिला-सरगुजा.छ0ग0
क्रमांक /0/ज0मृ0/2026
लखनपुर दिनांक 15/06/2026

ईश्तहार

प्रति,
समस्त ग्रामवासी
ग्राम बेलदगी तहसील
लखनपुर, जिला सरगुजा छ0ग0

एतद द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक बालकिसुन आ.स्व. चरकू निवासी ग्राम बेलदगी के पिता स्व. चरकू की मृत्यु दिनांक 14/11/2015 को ग्राम बेलदगी मे हो जाने से जन्म मृत्यु रजिस्टीकरण अधिनियम 1969 की धारा 13 (3) एवं छ0ग0जन्म मृत्युं रिज0 नियम 2001 के नियम 9 (3) के तहत मृत्यु प्रमाण हेतू आवेदन इस न्यायालय मे प्रस्तुत किया है जिस पर दिनांक 30/06/26 को सुनवाई की जानी है।

आवेदक/आवेदीका के द्वारा प्रस्तुत आवेदन पर यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो वह स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से पेशी तिथि 30/06/26 के पूर्व इस न्यायालय मे आपत्ति पेश कर सकता है । नियत दिनांक के पश्चात होने वाले दावा/ आपत्ति पर कोई विचार नही किया जायेगा ।

सील — **तहसीलदार लखनपुर,सरगुजा**

न्यायालय नायब तहसीलदार तहसील भैयाथान जिला-सूरजपुर.छ0ग0
रा0प्र0क्र0 ब/121 वर्ष
ग्राम - प0ह0न0

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक पिता अनंत राम जाति गोड़ निवासी ग्राम कुसमुसी .प.ह.न.। रा.नि.मं. भैयाथान तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छ0ग0) द्वारा आवेदन पेश किया गया है कि आवेदक के पुत्र प्रभाकर सिंह का जन्म दिनांक 20.07.2009 को ग्राम कुसमुसी में हुई है, अज्ञानतावश जन्म पंजीयन नही करा पाया है। आवेदक अपने पुत्र प्रभाकर सिंह का जन्म पंजीयन हेतु ग्राम पंचायत कुसमुस को आदेशित करने आवेदन पेश किया है। जिसके संबंध में प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतः उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से पेशी दिनांक 26/6/2026 तक अपना आपत्ति इस न्यायालय में पेश कर सकते हैं। नियत तिथी के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 4/06/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया ।

सील — **कार्यपालिक दण्डाधिकारी भैयाथान,जिला-सूरजपुर**

न्यायालय नायब तहसीलदार तहसील भैयाथान जिला-सूरजपुर.छ0ग0
रा0प्र0क्र0 ब/121 वर्ष
ग्राम - प0ह0न0

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक कुषमा पिता विश्वनाथ जाति गोड़ निवासी ग्राम कुसमूसी प0ह0न0 11 रा0नि0म0 भैयाथाना तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर छ0ग0 द्वारा पेश किया गया है कि आवेदक के पुत्री सुनीता का जन्म दिनॉक 12/07/2007 को ग्राम .... में हुई है अज्ञानतावश जन्म / मृत्यु पंजियन नही करा पाया है आवेदक अपने पुत्री सुनीता का जन्म/मृत्यु पंजीयन हेतु ग्राम प्रचायत कुसमूसी को आदेशित करने आवेदन पेश किया है जिसके संबंध में प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधिन है।

अतः उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से पेशी दिनांक 02/07/2026 तक अपना आपत्ति इस न्यायालय में पेश कर सकते है नियत तिथि के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार किया जावेगा ।

आज दिनॉक 18/06/26 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया ।

सील — **कार्यपालिक दण्डाधिकारी भैयाथान,जिला-सूरजपुर**

नाम सुधार सूचना

मैं राजकुमार आ. रामाधार उम्र 44 वर्ष, निवासी ग्राम हौली बलिया पोस्ट पचरूखा देवरिया उ.प्र का निवासी हूं ।

यह कि मै पुलिस विभाग में ए.पी.सी के पद पर पुलिस लाईन अम्बिकापुर में पदस्थ हूं, तथा मेरे सर्विस बुक में मेरे पुत्र जतिन कुमार का जन्मतिथि 04.12.2018 दर्ज है जिसमें जन्म वर्ष गलत दर्ज है।

जबकि मेरे पुत्र का सही जन्म तिथि 04.12.2017 है जो उसके जन्म प्रमाण,आधार कार्ड एवं अन्य समस्त दस्तावेजों में दर्ज है।

मेरे उक्त सर्विस बुक मेरे पुत्र के जन्म तिथि को सुधार कर सही जन्म तिथि 04.12.2017 दर्ज किया जाये जिसके संबंध में स्वयं का शपथ पत्र प्रस्तुत है।

शपथग्रहिता
राजकुमार

नाम सुधार सूचना

मैं बच्चलाल (पुराना नाम जिसे बदला जाना है) पिता स्व. देवराज, उम्र लगभग 62 वर्ष, निवासी ग्राम नवापारा, पोस्ट बंजा, पुलिस चौकी बसदेई, थाना सूरजपुर, तहसील भैयाथान, जिला- सूरजपुर (छ.ग.) का स्थायी निवासी हूँ। मेरा पुराना नाम बच्चे लाल है और मैं अपना नाम बदलकर बच्चालाल (नया नाम) करवाना चाहता हूँ। मेरे पुराने नाम से किसी भी न्यायालय में कोई भी प्रकरण लंबित नहीं है और न ही किसी बैंक में ऋण की राशि शेष है।

मैं नाम बदलकर यदि कोई गैर कानूनी काम करता हूँ तो उसके लिये मैं पूर्णतः स्वयं जिम्मेदार रहूँगा। मैं यह शपथपत्र अपने पूरे होशो हवास में रहकर हस्ताक्षर कर सक्षम प्राधिकारी के समक्ष प्रस्तुत किया है।

शपथग्रहिता
बच्चलाल

CMYK

नीलगिरी की आड़ में इमारती लकड़ी का खेल?

ट्रक मालिक ने खोली कथित सिंडिकेट की परतें

- यूपी के ट्रांसपोर्टर ने सोनहत थाने में दी शिकायत, कहा- नीलगिरी लोडिंग बताकर बुलाया, जेसीबी से भरवाई जा रही थी इमारती लकड़ी
- कट्टे की नोक पर ट्रक में लोड हुई लकड़ी? चालक से मारपीट और जान से मारने की धमकी के आरोप
- शिकायत में चार नामजद, वन विभाग के एक कर्मचारी की भूमिका पर भी गंभीर आरोप, पुलिस जांच पर टिकी निगाहें

रवि सिंह

बैकुंठपुर/सोनहत,23 जून 2026 (घटती-घटना)।

कोरिया जिले में अवैध लकड़ी कारोबार को लेकर एक ऐसा मामला सामने आया है जिसने वन विभाग की कार्रवाई,कथित लकड़ी माफिया के नेटवर्क और कुछ प्रभावशाली लोगों की भूमिका पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं, उत्तर प्रदेश के प्रयागराज निवासी ट्रक मालिक हरिओम पाण्डेय द्वारा सोनहत थाना में की गई लिखित शिकायत के बाद पूरे मामले में नया मोड़ आ गया है, शिकायत में आरोप लगाया गया है कि नीलगिरी लकड़ी परिवहन के नाम पर उनके वाहन को कोरिया बुलाया गया, लेकिन मौके पर पहुंचने पर जेसीबी मशीन से इमारती लकड़ी लोड कराई जा रही थी, इतना ही नहीं, चालक और क्लीनर को कथित रूप से कट्टा दिखाकर डराया गया और बाद में वन विभाग की कार्रवाई में केवल वाहन को ही जब्त कर लिया गया।

शिकायतकर्ता हरिओम पाण्डेय ने पुलिस को दिए आवेदन में बताया है कि वह उत्तर प्रदेश के प्रयागराज जिले का निवासी है और परिवहन व्यवसाय से जुड़ा हुआ है, उसके स्वामित्व की ट्रक क्रमांक यूपी-70-एनटी-9299 माल परिवहन का कार्य करती है,शिकायत के अनुसार जनवरी-फरवरी 2026 के दौरान उसकी पहचान ट्रांसपोर्ट एजेंट विशाल सिंह से हुई थी,जिसने पहले भी नीलगिरी लकड़ी ढुलाई का काम कराया था, आवेदन के अनुसार 11 जून 2026 को विशाल सिंह ने फोन कर बताया कि उसकी गाड़ी घरघोड़ा क्षेत्र में है और सोनहत से अम्बिकापुर तक नीलगिरी लकड़ी पहुंचाने का काम करना है, जिसके एवज में 45 हजार रुपये भाड़ा दिया जाएगा, शिकायतकर्ता का आरोप है कि इसी भरोसे पर वाहन को कार्य के लिए भेजा गया और रास्ते में 10 हजार रुपये का डीजल भी भरवाया गया।

शिकायत में नामजद लोगों पर अपराध दर्ज करने की मांग...

हरिओम पाण्डेय ने अपने आवेदन में स्पष्ट कहा है कि उसका और उसके चालक का 12-13 जून की घटना से कोई संबंध नहीं है तथा उन्हें सुनियोजित तरीके से फंसाया गया है, उन्होंने पुलिस से कृष प्रजापति, भागवत यादव,कमलेश तिवारी और विशाल सिंह के विरुद्ध अपराध दर्ज कर जांच करने की मांग की है।

अब सवाल कई...जवाब किसी के पास नहीं...इस पूरे मामले ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं...

- यदि नीलगिरी लकड़ी की ढुलाई होनी थी तो इमारती लकड़ी कहां से आई?
- जेसीबी मशीन से रात में लकड़ी लोड कराने वाले लोग कौन थे?
- चालक को कथित रूप से कट्टा दिखाकर धमकाने की जांच होगी या नहीं?
- वन विभाग की कार्रवाई केवल वाहन तक क्यों सीमित रही?
- शिकायत में जिन लोगों के नाम हैं,उनसे पूछताछ कब होगी?
- मोबाइल कॉल रिकॉर्ड और लोकेशन की जांच की जाएगी या नहीं?
- क्या कोरिया जिले में सक्रिय किसी बड़े लकड़ी सिंडिकेट का यह हिस्सा है?

चालक से संपर्क टूटा, फिर मिली वाहन जब्ती की सूचना

शिकायत के अनुसार 13 जून को जब वाहन मालिक ने चालक रामदयाल यादव से संपर्क करने का प्रयास किया तो उसका मोबाइल बंद मिला,इससे चिंतित होकर उसने डायल-112 के माध्यम से जानकारी ली। बाद में उसे बताया गया कि उसका ट्रक वन विभाग द्वारा अवैध लकड़ी परिवहन के मामले में जब्त कर लिया गया है,शिकायतकर्ता का कहना है कि समाचार पत्र में प्रकाशित खबर भी उसे व्हाट्सऐप के माध्यम से भेजी गई।

ओदारी गांव पहुंचते ही बदल गई पूरी कहानी

शिकायतकर्ता के अनुसार जब वह 16 जून को बैकुंठपुर पहुंचा और चालक तथा क्लीनर से मुलाकात की तो उसे पूरे घटनाक्रम की जानकारी मिली। चालक ने बताया कि बैकुंठपुर पहुंचने पर नीले रंग की एक अर्टिगा कार में सवार तीन व्यक्ति–भागवत यादव, कमलेश तिवारी और कृष प्रजापति–मिले। उन्होंने कहा कि विशाल सिंह ने उन्हें भेजा है और सोनहत के ओदारी गांव चलना है, जहां से नीलगिरी लकड़ी लोड करनी है, आरोप है कि उक्त लोग आगे-आगे कार से चले और ट्रक को पीछे आने के लिए कहा गया,कटगोड़ी चौक के पास कृष प्रजापति ट्रक में बैठ गया और चालक से कहा कि रास्ता उसे नहीं मालूम,इसलिए वह खुद वाहन को गंतव्य तक पहुंचाएगा,इसके बाद देर रात ट्रक को ओदारी गांव के समीप एक स्थान पर ले जाया गया।

नीलगिरी नहीं,जेसीबी से लोड हो रही थी मोटी इमारती लकड़ी

शिकायत का सबसे गंभीर हिस्सा यहीं से शुरू होता है, चालक के अनुसार मौके पर पहुंचने के बाद उसने देखा कि वहां नीलगिरी लकड़ी नहीं बल्कि बड़ी मात्रा में मोटी-मोटी इमारती लकड़ी रखी हुई थी, आरोप है कि भागवत यादव,कमलेश तिवारी और कृष प्रजापति जेसीबी मशीन की मदद से लकड़ी ट्रक में भरवाने लगे,जब चालक और क्लीनर ने इसका विरोध किया तो कथित रूप से उन्हें धमकाया गया,शिकायत में आरोप लगाया गया है कि कृष प्रजापति ने चालक को गाली-गलौज करते हुए कनपटी पर कट्टा अड़ा दिया और कहा कि यदि लकड़ी लोड नहीं होने दी तो गोली मार देगा,इसके बाद चालक और क्लीनर के साथ मारपीट भी की गई।

वन विभाग पहुंचा, लेकिन असली आरोपी भाग गए ?

शिकायत के अनुसार करीब साढ़े तीन बजे वन विभाग की टीम एक बोलेरो वाहन और कुछ मोटरसाइकिलों से मौके पर पहुंची, इसके बाद ट्रक को कब्जे में लेकर बैकुंठपुर डिपो ले जाया गया,आरोप है कि इस दौरान चालक का मोबाइल और वाहन के दस्तावेज भी रख लिए गए, सबसे बड़ा आरोप यह लगाया गया है कि मौके पर मौजूद कथित लकड़ी लोड कराने वाले लोगों से वन विभाग के कर्मचारियों ने अलग से बातचीत की और बाद में उन्हें वहां से जाने दिया,शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया है कि वास्तविक आरोपियों को बचाया गया जबकि वाहन को जब्त कर कार्रवाई का केंद्र बना दिया गया।

मोबाइल कॉल रिकॉर्ड खोल सकते हैं पूरा राज

शिकायतकर्ता का दावा है कि चालक के मोबाइल फोन में विशाल सिंह,भागवत यादव, कमलेश तिवारी और कृष प्रजापति के मोबाइल नंबर एवं बातचीत का रिकॉर्ड मौजूद है, आवेदन में यह भी उल्लेख किया गया है कि इससे पहले मई 2026 में भी इन्हीं लोगों के माध्यम से नीलगिरी लकड़ी ढुलाई का काम कराया गया था,शिकायतकर्ता ने पुलिस से मोबाइल कॉल डिटेल्स और संपर्क रिकॉर्ड की जांच कराने की मांग की है।

पुलिस जांच से खुलेगा सच

फिलहाल मामला शिकायत के स्तर पर है और आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि होना बाकी है, लेकिन शिकायत में लगाए गए आरोप बेहद गंभीर हैं,यदि पुलिस निष्पक्ष जांच कर मोबाइल कॉल डिटेल्स,लोकेशन डेटा,वाहन मूवमेंट और संबंधित व्यक्तियों से पूछताछ करती है तो पूरे घटनाक्रम की कई परतें खुल सकती हैं,अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या पुलिस शिकायत में नामजद लोगों के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच आगे बढ़ाएगी,या फिर यह मामला भी फाइलों में दबकर रह जाएगा,कोरिया जिले में चर्चाओं का विषय बना यह मामला आने वाले दिनों में कई बड़े खुलासों की वजह बन सकता है।

नौगई हत्याकांड: छठवें दिन जली फॉर्च्यूनर से मिले मानव अवशेष, क्या यह केवल चूक है या जांच प्रक्रिया पर गंभीर सवाल?

घटनास्थल और साक्ष्य संरक्षण की प्रक्रिया पर उठे कानूनी एवं फॉरेंसिक प्रश्न

-संवाददाता-

कोरिया/ सोनहत,23 जून 2026 (घटती-घटना)।

नौगई के बहुचर्चित तिहरे हत्याकांड में छठवें दिन सामने आई एक नई जानकारी ने जांच प्रक्रिया,साक्ष्य संकलन और फॉरेंसिक परीक्षण की गुणवत्ता पर गंभीर प्रश्न खड़े कर दिए हैं,सूत्रों के अनुसार जिस फॉर्च्यूनर वाहन में एक मृतक के जलकर मौत होने की बात कही गई थी,उसी वाहन से मृतक के शरीर का एक अधजला हिस्सा तथा अन्य अस्थि अवशेष परिजनों को मिले, बाद में पुलिस ने इन अवशेषों को पुनः फॉरेंसिक परीक्षण के लिए भेज दिया,यदि यह तथ्य जांच में प्रमाणित होता है तो मामला केवल एक साधारण चूक का नहीं बल्कि आपराधिक जांच की मूलभूत प्रक्रियाओं पर सवाल खड़ा करने वाला हो सकता है।

बता दे की नौगई के बहुचर्चित तिहरे हत्याकांड में छठवें दिन सामने आई एक नई जानकारी ने पूरे मामले की जांच प्रक्रिया को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं,जिस फॉर्च्यूनर वाहन में एक मृतक के जलकर मौत होने की बात सामने आई थी,उसी वाहन से मृतक के शरीर के कथित अवशेष मिलने की सूचना ने पुलिस और फॉरेंसिक जांच की कार्यप्रणाली को चर्चा के केंद्र में ला दिया है,हालांकि इस संबंध में आधिकारिक तौर पर विस्तृत जानकारी सामने नहीं आई है,लेकिन सूत्रों के अनुसार परिजनों को वाहन के भीतर मृतक के पैर के पंजे का अधजला हिस्सा तथा कुछ अन्य अस्थि अवशेष मिले हैं,जिन्हें बाद में पुलिस ने पुनः फॉरेंसिक जांच के लिए भेज दिया,घटना के बाद मृतकों का अंतिम संस्कार किया जा चुका था और छठवें दिन परिजन अस्थि-संचयन की प्रक्रिया में जुटे हुए थे,इसी दौरान उनके मन में यह सवाल उठा कि जिस व्यक्ति की मौत फॉर्च्यूनर वाहन के भीतर हुई थी और जिसका अधिकांश शरीर आग में जल गया था,उसके कुछ अवशेष वाहन में भी मौजूद हो सकते हैं,इसी आशंका के आधार पर परिजन थाना सोनहत पहुंचे,जहां घटना में जली हुई फॉर्च्यूनर वाहन पुलिस अभिरक्षा में रखी गई थी।

फॉरेंसिक विज्ञान क्या कहता है?

फॉरेंसिक विशेषज्ञों के अनुसार किसी भी जली हुई गाड़ी,भवन या घटनास्थल की जांच में सबसे महत्वपूर्ण प्रक्रिया होती है क्राइम सीन प्रोसेसिंग,इस प्रक्रिया में घटनास्थल का वैज्ञानिक तरीके से निरीक्षण, फोटोग्राफी, वीडियोग्राफी, साक्ष्य संग्रहण,मानव अवशेषों की पहचान और उनका सुरक्षित संरक्षण किया जाता है,विशेषज्ञों का कहना है कि यदि किसी वाहन के भीतर किसी व्यक्ति की मृत्यु हुई हो और शरीर आग से बुरी तरह प्रभावित हुआ हो,तो उस वाहन का सेंटीमीटर-दर-सेंटीमीटर निरीक्षण किया जाता है, जले हुए ऊतक,अस्थियां, दांत, रक्त,जैविक अवशेष,यहां तक कि राख तक को एकत्रित कर जांच के लिए भेजा जाता है,ऐसी स्थिति में यह प्रश्न स्वाभाविक है कि यदि वाहन में मानव अवशेष मौजूद थे तो वे प्रारंभिक जांच में कैसे छूट गए?

कानूनी दृष्टि से क्यों महत्वपूर्ण हैं मानव अवशेष?

भारतीय न्याय प्रणाली में हत्या के मामलों में मानव अवशेष अत्यंत महत्वपूर्ण साक्ष्य माने जाते हैं, इनसे कई महत्वपूर्ण तथ्य स्थापित किए जा सकते हैं मृतक की पहचान,मृत्यु का स्थान,मृत्यु की परिस्थितियां, आग लगने से पहले या बाद में मृत्यु,डीएनए मिलान,शरीर पर चोटों के संकेत,अपराध की प्रकृति,यदि किसी मृतक के शरीर का कोई हिस्सा घटनास्थल पर छूट गया हो और उसे बाद में बरामद किया जाए,तो यह जांच की पूर्णता पर प्रश्न खड़ा कर सकता है।

सिर्फ चूक नहीं,जांच की विश्वसनीयता का सवाल

कानूनी विशेषज्ञ मानते हैं कि हत्या के मामलों में केवल निष्पक्ष जांच पर्याप्त नहीं होती,बल्कि जांच का निष्पक्ष दिखाई देना भी उतना ही आवश्यक है, जब किसी मामले में लगातार नए तथ्य सामने आते हैं,तब जनता और पीड़ित परिवार के मन में स्वाभाविक रूप से संदेह उत्पन्न होता है,न्यायालय भी कई निर्णयों में यह टिप्पणी कर चुके हैं कि गंभीर अपराधों की जांच में पारदर्शिता और वैज्ञानिक दृष्टिकोण अनिवार्य है।

क्या जल्दबाजी भारी पड़ी?

घटना के बाद जांच के शुरुआती चरण में जिस प्रकार विभिन्न संभावनाओं को लेकर चर्चाएं होती रहीं, अब यह नया घटनाक्रम उस पूरी प्रक्रिया की समीक्षा की मांग कर रहा है,यदि छठवें दिन वाहन से मानव अवशेष मिलना सही साबित होता है,तो यह सवाल उठना स्वाभाविक होगा कि क्या जांच एजेंसियां प्रारंभिक चरण में पर्याप्त सावधानी बरत रही थीं या फिर जल्द निष्कर्ष तक पहुंचने का दबाव था?

सबसे बड़ा सवालः क्या स्वतंत्र समीक्षा की जरूरत है?

अब यह मामला केवल एक वाहन से मिले कथित मानव अवशेषों का नहीं रह गया है,सवाल यह भी है कि क्या घटनास्थल निरीक्षण की स्वतंत्र समीक्षा होनी चाहिए? क्या फॉरेंसिक प्रक्रिया का ऑडिट होना चाहिए? क्या जांच अधिकारियों की कार्यवाही की समीक्षा आवश्यक है? क्या पीड़ित परिवार को पूरी जांच रिपोर्ट उपलब्ध कराई जानी चाहिए?

भारतीय साक्ष्य अधिनियम और आपराधिक प्रक्रिया के संदर्भ में सवाल

कानूनी विशेषज्ञों का मानना है कि हत्या जैसे गंभीर अपराध में जांच एजेंसी पर यह दायित्व होता है कि वह उपलब्ध प्रत्येक साक्ष्य को सुरक्षित करे...

ऐसी स्थिति में कुछ महत्वपूर्ण प्रश्न उभरते हैं...

1. क्या घटनास्थल का पूर्ण निरीक्षण हुआ था? यदि हुआ था तो मानव अवशेष कैसे छूट गए? यदि नहीं हुआ था तो क्या यह जांच में लापरवाही मानी जाएगी?
2. क्या वाहन का वैज्ञानिक तरीके से फॉरेंसिक परीक्षण किया गया था? यदि वाहन का फॉरेंसिक परीक्षण हुआ था तो उसमें मौजूद कथित मानव अवशेष रिपोर्ट में दर्ज क्यों नहीं हुए?
3. क्या चेन ऑफ कस्टडी का पालन हुआ? फॉरेंसिक विज्ञान में चेन ऑफ कस्टडी का अर्थ है कि किसी साक्ष्य को कब, किसने और किस परिस्थिति में अपने कब्जे में लिया, यदि बाद में नया साक्ष्य मिल रहा है तो यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि वाहन की सुरक्षा और निगरानी व्यवस्था कितनी प्रभावी थी।
4. क्या मृतक के सभी उपलब्ध अवशेष परिजनों को सौंपे गए थे? यदि नहीं,तो क्यों? यदि वाहन में अवशेष मौजूद थे तो उन्हें प्रारंभिक प्रक्रिया में क्यों नहीं निकाला गया?
5. क्या पुन : फॉरेंसिक परीक्षण पहली जांच की कमियों को उजागर करेगा? अब भेजे गए अवशेषों की रिपोर्ट यह भी बताएगी कि प्रारंभिक जांच कितनी व्यापक थी और क्या कुछ महत्वपूर्ण तथ्य छूट गए थे।

CMYK

चाय की टपरी गाने पर जमकर झूमीं आलिया भट्ट और शरवरी वाघ

क्या है समय रैना के शो में वायरल गाने का सच?

समय रैना के शो इंडियाज गॉट लेटेंट 2 के वायरल गाने चाय की टपरी की हर तरफ चर्चा हो रही है और ये सोशल मीडिया पर ट्रेंड में बना हुआ है। स्टैंड अप कॉमेडियन समय रैना ने अपने लेटेस्ट शो इंडियाज गॉट लेटेंट 2 जरिए वापसी कर ली है। इस शो के पहले एपिसोड में बी टाउन एक्ट्रेस आलिया भट्ट और शरवरी वाघ ने एंट्री मारी, जो अपनी अपकमिंग फिल्म ऐल्फा को प्रमोट करने आई हैं।

इंडियाज गॉट लेटेंट 2 के ओपनिंग एपिसोड से ज्यादा चर्चा में इसका सॉन्ग चाय की टपरी की खूब सुर्खियां बटोर रहा है। सोशल मीडिया पर चाय की टपरी गाना जमकर वायरल हो रहा है और ट्रेंड कर रहा है। आइए इस गाने की सच्चाई के बारे में विस्तार से जानते हैं-

क्या चाय की टपरी की सच्चाई

इंडियाज गॉट लेटेंट 2 में चाय की टपरी हुक के साथ ये गीत फिलहाल सोशल मीडिया पर तबाही मचा रहा है। इस वायरल सॉन्ग पर जमकर रील वीडियोज बन रही हैं। समय रैना के साथ-साथ एक्ट्रेस शरवरी

वाघ ने भी इस ट्रेंड को फॉलो किया है और अपने सोशल मीडिया हैंडल पर इस सॉन्ग पर वाइव करते हुए वीडियो अपलोड किया है। आपको इस गाने के बारे में पूरी जानकारी देते हुए बता दें कि चाय की टपरी गाने की असली टाइटल बल्लू हरामी है। यह गाना रैपर यंग एजे ने लिखा था और रैप वाले हिस्से भी उन्होंने ही गाए थे।

इसे इंडियाज गॉट लेटेंट 2 शो में कंटेस्टेंट बलराम विश्वकर्मा ने इस सॉन्ग पर परफॉर्म किया, जिन्हें रॉकिंग गोली के नाम से भी जाना जाता है। वह यंग एजे की टीम के सदस्य भी हैं। इस गीत परल बलराम के अलावा आलिया भट्ट और शरवरी वाघ ने भी जमकर ठुमके लगाए और ये गाना अब हर किसी का फेवरेट बन गया है। जिसकी वजह से समय रैना के इंडियाज गॉट लेटेंट 2 का नाम भी लाइलाइमट में छा रहा है।

समय रैना की वापसी

इंडियाज गॉट लेटेंट सीजन 1 के विवाद के बाद अब समय रैना ने इस शो के नए सीजन के साथ वापसी कर ली है। इंडियाज गॉट लेटेंट 2 का पहला एपिसोड ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर हाल ही में स्ट्रीम किया गया। इसके अलावा आप इसे यूट्यूब पर फ्री में आसानी से देख सकते हैं।

'ईथा' टीजर,श्रद्धा कपूर ने जीता दिल

बॉलीवुड एक्ट्रेस श्रद्धा कपूर की मोस्ट अवेटेड फिल्म 'ईथा' का टीजर रिलीज हो गया है,जिसने आते ही दर्शकों के बीच उत्सुकता बढ़ा दी है। टीजर को देखकर कहा जा रहा है कि यह फिल्म एक अलग ही स्तर का अनुभव देने वाली है। शुरुआती सीन इतने प्रभावशाली हैं कि दर्शकों की नजरें स्क्रीन से हटती नहीं हैं और कई जगहों पर रोमांच और सस्पेंस का माहौल बन जाता है। टीजर की शुरुआत एक तमाशा मंडली के दृश्य से होती है, जहां कई पुरुष टिकट लेकर अंदर आते दिखाई देते हैं। यह माहौल किसी पुराने थिएटर या लोक कला मंच जैसा दिखाया गया है, जो कहानी की पृष्ठभूमि को और भी दिलचस्प बनाता है। इसके बाद सीन बदलता है और दिखाया जाता है कि कई पुरुष एक तरफ बैठे हैं,जबकि सामने स्टेज पर एक परफॉर्मेंस चल रही होती है।

जैसे-जैसे टीजर आगे बढ़ता है, माहौल और भी गंभीर होता जाता है। दर्शकों की भीड़ अचानक जोर-जोर से चिल्लाने लगती है और एक नाम लिया जाता है—÷हमें ईथा चाहिए।÷ इस डायलॉग के साथ ही टीजर में रहस्य और बढ़ जाता है, जिससे यह साफ होता है कि फिल्म की कहानी किसी मजबूत और प्रभावशाली किरदार के इर्द-गिर्द घूमती है। श्रद्धा कपूर की झलक टीजर में बेहद दमदार अंदाज में दिखाई गई है। उनकी स्क्रीन प्रेजेंस और एक्सप्रेशन को देखकर कहा जा रहा है कि यह उनके करियर की अब तक की सबसे मजबूत परफॉर्मेंस हो सकती है। फिल्म में उनका किरदार काफी गहराई और भावनात्मक पहलुओं से जुड़ा हुआ नजर आता है।

टीजर में सिनेमैटोग्राफी और बैकग्राउंड म्यूजिक भी काफी प्रभावशाली दिखता है, जो पूरी कहानी के माहौल को और भी मजबूत बनाता है। हर सीन में एक अलग तरह का तनाव और रहस्य बना रहता है, जिससे दर्शक लगातार कहानी से जुड़े रहते हैं। फैंस सोशल मीडिया पर टीजर को लेकर लगातार अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं और श्रद्धा कपूर के नए अवतार की जमकर तारीफ कर रहे हैं। कई लोग इसे उनके करियर का टर्निंग पॉइंट भी मान रहे हैं। कुल मिलाकर, 'ईथा' का टीजर यह संकेत देता है कि फिल्म में ड्रामा, सस्पेंस और दमदार कहानी का मिश्रण देखने को मिलेगा, जो दर्शकों को बड़े पर्दे पर बांधकर रखने में सफल हो सकता है।

मिर्जापुर को अमेरिका हम बनाएंगे,मिर्जापुर की रिलीज से पहले सरप्राइज, इस बार गद्दी का खेल होगा और खतरनाक

मिर्जापुर : द मूवी की रिलीज से पहले मेकर्स ने फैंस के साथ पुरानी यादों को ताजा करते हुए उन्हें एक ऐसा सरप्राइज दिया, जिसने उनकी बेताबी को सातवें आसमान पर पहुंचा दिया है। अमेजन प्राइम वीडियो की सुपरहिट वेब सीरीज मिर्जापुर के 3 सफल सीजन के बाद अब मेकर्स सिनेमाघरों में भौकाल मचाने के लिए कमर कस चुके हैं। ये खबर तो पहले ही सामने आ चुकी है कि एक्सेल एंटरटेनमेंट अपनी सफल सीरीज पर फिल्म लेकर आ रहा है, जिसमें कई नए चेहरे भी इस बार गद्दी के लिए ले ते हुए दिखाई देंगे। अब पंकज त्रिपाठी, दिव्येंदु शर्मा स्टारर मिर्जापुर : द मूवी की रिलीज डेट भी सामने आ चुकी है। हालांकि, उससे पहले मेकर्स ने फैंस को एक बड़ा सरप्राइज देकर उनकी एक्साइटमेंट को सातवें आसमान पर पहुंचा दिया है।

मेकर्स ने जारी किया मिर्जापुर का एक धमाकेदार वीडियो

जबरदस्त एक्शन, रोंगटे खड़े करने वाले ट्विस्ट और आइकॉनिक दुश्मनी से भरपूर %मिर्जापुर% को सिनेमाघरों में दर्शकों के लिए लाने से पहले हाल ही में मेकर्स ने फैंस के लिए एक रिकैप शेयर किया है। उन्होंने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर साल 2018 से लेकर एक झलकी दर्शकों को दिखाई, ताकि उन्हें सिनेमाघरों में फिल्म को समझने में आसानी हो।

इस रिकैप के एंड में उन्होंने एंड में लिखा, 2026 में मिर्जापुर का भौकाल अब बड़े पर्दे पर होगा। इस बार मिर्जापुर : द फिल्म में जितेंद्र कुमार, रवि किशन,मोहित मलिक और सोनल चौहान जैसे सितारे नजर आए हैं।

कब सिनेमाघरों में रिलीज होगी मिर्जापुर: द मूवी

इस छोटे से रिकैप के सरप्राइज ने फैंस की एक्साइटमेंट को दोगुना कर दिया है। एक यूजर ने लिखा, बवाल चीज है...गुड्डू भैया मिर्जापुर को अमेरिका बनाएंगे अब। दूसरे यूजर ने लिखा, मूवी को बड़े पर्दे पर रिलीज करते हुए अगर गालियों से किसी तरह का समझौता किया, तो देख लेना, वहीं म्यूजिक बंद कर देंगे। एक अन्य यूजर ने लिखा,भाई मुन्ना भैया की वापसी फोड़ू होगी, मजा आएगा मूवी देखने में। मिर्जापुर : द मूवी 4 सितंबर 2026 को सिनेमाघरों में आएगी। फिल्म का निर्देशन गुरमीत सिंह ने किया है। कहानी पुनीत कृष्णा ने लिखी है और एक्सेल एंटरटेनमेंट के बैनर तले बनी मूवी को रितेश सिधवानी व फरहान अख्तर ने प्रोड्यूस किया है।

इंडियन आर्मी के हीरो की वीरगाथा बड़े पर्दे पर होगी पेश

बॉलीवुड में वॉर फिल्मों की लोकप्रियता एक बार फिर बढ़ती नजर आ रही है। हाल ही में आई फिल्मों की सफलता के बाद अब निर्माता एक और बड़े प्रोजेक्ट के साथ दर्शकों के बीच आने की तैयारी में हैं। इसी कड़ी में फिल्म बॉर्डर 3 को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है,जो इन दिनों चर्चा का विषय बना हुआ है। जानकारी के अनुसार,बॉर्डर 2 की सफलता के बाद निर्माता निधि दत्ता ने जेपी फिल्म्स के बैनर तले कई नए प्रोजेक्ट्स पर काम शुरू करने का फैसला लिया है। बताया जा रहा है कि वह एक या दो नहीं बल्कि करीब पांच अलग-अलग फिल्मों और प्रोजेक्ट्स की योजना पर काम कर रही हैं। इनमें सबसे ज्यादा चर्चा बॉर्डर 3 को लेकर हो रही है, जिसे एक वॉर बायोपिक के रूप में पेश किया जाएगा।

इस फिल्म की कहानी भारतीय सेना के प्रसिद्ध अधिकारी लेफ्टिनेंट जनरल हरबख्श सिंह के जीवन पर आधारित होगी। उन्हें भारतीय सैन्य इतिहास में एक महत्वपूर्ण स्थान प्राप्त है और उनकी वीरता को इस फिल्म के माध्यम से बड़े पर्दे पर दिखाने की तैयारी है। हरबख्श सिंह भारतीय सेना के वरिष्ठ अधिकारी थे, जिन्होंने वेस्टर्न कमांड के कमांडर के रूप में कार्य किया। उन्होंने 1965 के भारत-पाकिस्तान युद्ध में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। युद्ध के दौरान उनके नेतृत्व और रणनीति को भारतीय सेना की बड़ी उपलब्धियों में गिना जाता है।

बताया जाता है कि उनके निर्णयों और साहसिक कदमों ने कई मौकों पर भारतीय सीमाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने में अहम भूमिका निभाई। विशेष रूप से अमृतसर क्षेत्र की सुरक्षा में उनका योगदान काफी महत्वपूर्ण माना जाता है। उन्हें उनके साहस और नेतृत्व के लिए 1966 में पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया था। हरबख्श सिंह का जन्म 1 अक्टूबर 1913 को हुआ था और उन्होंने 14 नवंबर 1999 को दुनिया को अलविदा कहा। उन्हें भारतीय सेना में पंजाब का रक्षक भी कहा जाता है, क्योंकि उन्होंने कठिन परिस्थितियों में भी पीछे हटने के आदेशों की बजाय जवाबी कार्रवाई को प्राथमिकता दी थी।

फिल्म बॉर्डर 3 के अलावा भी कई बड़े प्रोजेक्ट्स की योजना सामने आई है। इनमें भारतीय वायुसेना पर आधारित एक एयर फोर्स ड्रामा फिल्म शामिल है, जो ऑपरेशन सिंदूर से प्रेरित बताई

जा रही है। इसके अलावा भारतीय इतिहास और माइथोलॉजी पर आधारित एक ट्रेजर हंट फिल्म और लीजेंड्री फिल्म मेकर ओपी दत्ता की जिंदगी पर आधारित एक लंबी सीरीज बनाने की भी योजना है। फिलहाल दर्शकों की नजरें बॉर्डर 3 पर टिकी हुई हैं, क्योंकि यह फिल्म न केवल एक युद्ध कहानी होगी, बल्कि एक ऐसे महान सैन्य अधिकारी के जीवन को भी दिखाएगी, जिन्होंने देश की सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण योगदान दिया।

हिंदी फिल्मों की वजह से बने 7 अतरंगी फैशन ट्रेंड

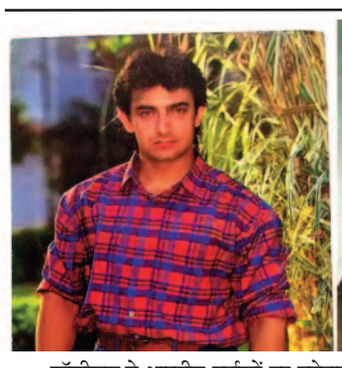

बॉलीवुड ने भारतीय दर्शकों पर हमेशा गहरी छाप छोड़ी है। हिंदी सिनेमा को देश में ट्रेंड सेट करने वाला माध्यम माना जाता है, जहां फिल्मों के जरिए न सिर्फ मनोरंजन होता है बल्कि फैशन, लाइफस्टाइल और सोच पर भी असर पड़ता है। समय-समय पर कई ऐसे ट्रेंड आए जो फिल्मों की वजह से लोकप्रिय हुए और फिर धीरे-धीरे बदलते वक्त के साथ पीछे छूट गए। 90 के दशक को हिंदी सिनेमा का एक खास दौर माना जाता है। इस समय कई ऐसे ट्रेंड देखने को मिले,जिन्होंने युवाओं से लेकर आम लोगों तक को प्रभावित किया। उस दौर की फिल्मों में दिखाए गए कपड़े,हेयरस्टाइल,डायलॉग और रोमांस करने का तरीका लोगों के बीच काफी लोकप्रिय हुआ करता था। उस समय के हीरो के लंबे कोट,ढीले-ढाले कपड़े और स्टाइलिश जैकेट फैशन का हिस्सा बन गए थे। वहीं हीरोइनों के सलवार-कुर्ता, दुपट्टा स्टाइल और सादगी भरे लुक को लोग अपनाने लगे थे। फिल्मों में दिखाए गए हेयरस्टाइल भी युवाओं के बीच ट्रेंड बन जाते थे। इसके अलावा 90 के दशक के रोमांटिक गाने और बारिश में शूट किए गए सीन भी लोगों को खूब पसंद आते थे। कई लोग अपने जीवन में भी फिल्मों जैसी रोमांटिक फीलिंग को अपनाने की कोशिश करते थे। उस दौर में फिल्मों के डायलॉग भी काफी फेमस होते थे, जिन्हें लोग अपनी रोजमर्रा की बातचीत में इस्तेमाल करते थे। टेक्नोलॉजी और सोशल मीडिया के अभाव में उस समय फिल्मों का प्रभाव और भी गहरा होता था, क्योंकि मनोरंजन का मुख्य साधन सिनेमा ही था। टीवी पर आने वाली फिल्मों और गानों का असर सीधे लोगों की लाइफस्टाइल पर दिखाई देता था। लेकिन समय के साथ चीजें बदलती गईं। नई पीढ़ी,नए फैशन और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स के आने से पुराने ट्रेंड धीरे-धीरे पीछे छूट गए। अब लोग ग्लोबल फैशन और वेब सीरीज की दुनिया से भी प्रभावित होते हैं। हालांकि 90 के दशक के ट्रेंड्स आज भी नॉस्टैल्जिया के रूप में याद किए जाते हैं और सोशल मीडिया पर समय-समय पर चर्चा में आते रहते हैं। आज भी जब लोग पुराने गाने या फिल्में देखते हैं, तो उस दौर की सादगी और स्टाइल उन्हें फिर से याद आ जाती है। यह कहना गलत नहीं होगा कि 90 के दशक का बॉलीवुड भारतीय सिनेमा के इतिहास में एक सुनहरा अध्याय था, जिसने कई ट्रेंड्स को जन्म दिया और लोगों के दिलों में खास जगह बनाई।

खेल समाचार

फीफा वर्ल्ड कप 2026 में आज होगी 6 टीमों की टक्कर

फीफा वर्ल्ड कप 2026 का रोमांच अपने चरम पर है... 24 जून का दिन फुटबॉल प्रशंसकों के लिए बेहद खास रहने वाला है... इस दिन कुल तीन बड़े मुकाबले खेले जाएंगे...

नई दिल्ली,23 जून 2026। फीफा वर्ल्ड कप 2026 का रोमांच अपने चरम पर है। 23 जून को लियोनेल मेसी ने विश्व कप इतिहास में 18 गोल मारकर इतिहास रच दिया। वहीं अब 24 जून का दिन फुटबॉल प्रशंसकों के लिए बेहद खास रहने वाला है। इस दिन कुल तीन बड़े मुकाबले खेले जाएंगे, जिनमें कई मजबूत टीमें आमने-सामने होंगी और ग्रुप स्टेज की तस्वीर लगभग साफ होती नजर आएगी। दिन के पहले मैच में इंग्लैंड का सामना घना से होगा। फिर पनामा और क्रोशिया की भिड़ंत होगी। आखिरी मैच में कोलम्बिया बनाम डीआर कोंगो की टक्कर होगी।

इंग्लैंड बनाम घना (1:30 प्रातः)

दिन की शुरुआत इंग्लैंड और घाना के मुकाबले से होगी, जो भारतीय समयानुसार सुबह 1:30 बजे खेला जाएगा। यह मैच काफी रोमांचक माना जा रहा है क्योंकि इंग्लैंड की मजबूत टीम एक्शन में नजर आने वाली है। थोमस तुशेल की कोचिंग में अपने पहले मुकाबले में अंग्रेज टीम ने क्रोशिया को 4-2 से मात दी थी। दूसरी ओर घना भी पनामा के सामने 1-0 की जीत के बाद मैदान पर उतरने वाली है।

पनामा बनाम क्रोएशिया (4:30 प्रातः)

इसके बाद दूसरा मुकाबला पनामा और क्रोएशिया के बीच सुबह 4:30 बजे खेला जाएगा। दोनों ही टीमें अपना पहला मैच हारने के बाद एक दूसरे से टक्कर लेंगी। ऐसे में यहां से जो जीतेगा उसके लिए नॉक आउट मुकाबलों का दरवाजा खुल सकता है। क्रोएशिया का अनुभव और तकनीकी खेल शैली उसे इस मैच में मजबूत दावेदार बनाती है। जबकि पनामा की टीम अपने डिफेंस और काउंटर अटैक के लिए जानी जाती है। यह मैच भी ग्रुप स्टेज में अंक तालिका को प्रभावित करेगा।

कोलम्बिया बनाम डीआर कोंगो (7:30प्रातः)

दिन का तीसरा और अंतिम मुकाबला कोलंबिया और डीआर कांगो के बीच भारतीय समय के अनुसार सुबह 7:30 बजे होगा। इस मैच में दोनों टीमों के बीच कड़ी टक्कर होने की उम्मीद की जा सकती है। कोलम्बिया ने ओपनिंग मुकाबले में अपना पहला विश्व कप खेल रही उजबेकिस्तान के खिलाफ 3-1 से बाजी मारी थी। इस जीत के बाद खिलाड़ियों का आत्म विश्वास चरम पर होने वाला है। दूसरी ओर डीआर कोंगो ने अपने पहले मैच में क्रिस्टियानो रोनाल्डो की पुर्चगाल के खिलाफ 1-1 से मुलाबला ड्रॉ कर सभी को हैरान कर दिया था।

भारतीय क्रिकेटर रोहित शर्मा को पद्मश्री सम्मान

नई दिल्ली,23 जून 2026। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा को देश के प्रतिष्ठित नागरिक सम्मानों में शामिल पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित किए जाने की घोषणा की गई है। यह सम्मान उन्हें भारतीय क्रिकेट में उनके उत्कृष्ट योगदान, निरंतर शानदार प्रदर्शन और खेल जगत में देश का गौरव बढ़ाने के लिए प्रदान किया जा रहा है। रोहित शर्मा पिछले डेढ़ दशक से भारतीय क्रिकेट के सबसे सफल खिलाड़ियों में शुमार रहे हैं। अपनी आक्रामक बल्लेबाजी शैली और बड़े मैचों में शानदार प्रदर्शन के कारण उन्हें दुनिया के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में गिना जाता है। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कई रिकॉर्ड अपने नाम किए हैं, जिनमें एकदिवसीय क्रिकेट में सर्वाधिक व्यक्तिगत स्कोर 264 रन का विश्व रिकॉर्ड भी शामिल है। रोहित शर्मा की कप्तानी में भारतीय टीम ने कई महत्वपूर्ण सफलताएं हासिल की हैं। उन्होंने सीमित ओवरों के प्रारूप में भारत को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई है। उनकी नेतृत्व क्षमता, खेल के प्रति समर्पण और लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन ने उन्हें करोड़ों क्रिकेट प्रशंसकों का पसंदीदा खिलाड़ी बनाया है। पद्मश्री भारत का चौथा सर्वोच्च नागरिक सम्मान है, जो कला, साहित्य, विज्ञान, खेल, चिकित्सा और अन्य क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाले व्यक्तियों को प्रदान किया जाता है। रोहित शर्मा को यह सम्मान मिलने से खेल जगत और क्रिकेट प्रेमियों में खुशी का माहौल है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह सम्मान न केवल रोहित शर्मा की व्यक्तिगत उपलब्धियों की पहचान है, बल्कि भारतीय क्रिकेट की वैश्विक सफलता और बढ़ती प्रतिष्ठा का भी प्रतीक है। देशभर से उन्हें बधाइयां और शुभकामनाएं मिल रही हैं।

यूके दौरे के लिए भारतीय टीम में सूर्यांश शेडगे की एंट्री

नई दिल्ली,23 जून 2026। भारतीय क्रिकेट में एक और युवा खिलाड़ी ने तेजी से अपनी पहचान बनाई है। मुंबई के 23 वर्षीय बल्लेबाजी ऑलराउंडर सूर्यांश शेडगे को भारतीय टीम में शामिल किया गया है। उन्हें यूके दौरे के लिए टीम में देर से शामिल किया गया, जहां वे नितीश कुमार रेड्डी की जगह टीम का हिस्सा बने हैं। नितीश कुमार रेड्डी को क्वाड्रिसेप्स (जांघ की मांसपेशी) चोट के कारण टीम से बाहर होना पड़ा। सूर्यांश शेडगे मुंबई क्रिकेट सिस्टम से निकलने वाले नए और प्रतिभाशाली खिलाड़ियों में से एक हैं। वह दाएं हाथ के बल्लेबाज और दाएं हाथ के मध्यम तेज गेंदबाज हैं। घरेलू क्रिकेट में मुंबई की टीम और इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में पंजाब किंग्स का प्रतिनिधित्व करने वाले शेडगे को एक उभरते हुए ऑलराउंडर के रूप में देखा जा रहा है। उनकी क्रिकेट यात्रा में सबसे बड़ा मोड़ 2024-25 सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के दौरान आया, जब उन्होंने मुंबई के लिए शानदार प्रदर्शन किया। इस टूर्नामेंट में उनकी आक्रामक बल्लेबाजी और उपयोगी ऑलराउंड प्रदर्शन ने टीम की सफलता में अहम भूमिका निभाई। खासकर डेथ ओवरों में उनकी निडर बल्लेबाजी ने सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा। मुश्ताक अली ट्रॉफी में उनकी फिनिशिंग क्षमता ने उन्हें क्रिकेट विशेषज्ञों और चयनकर्ताओं के बीच चर्चा का विषय बना दिया। कई वरिष्ठ खिलाड़ियों ने भी उनके प्रदर्शन की सराहना की और उन्हें भविष्य के लिए एक मजबूत विकल्प के रूप में देखा। सूर्यांश शेडगे की सबसे बड़ी ताकत उनकी मैच को आखिरी ओवरों में बदलने की क्षमता मानी जाती है। वह दबाव की स्थिति में भी तेजी से रन बनाने और टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाने के लिए जाने जाते हैं। साथ ही उनकी गेंदबाजी उन्हें एक उपयोगी ऑलराउंडर बनाती है, जो टीम संतुलन के लिए अहम भूमिका निभा सकता है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में महानदी भवन में आयोजित कैबिनेट की बैठक में महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए...

अटल आजीविका समृद्धि हाट और छत्तीसगढ़ कम्प्रेस्ड बायोगैस नीति को मिली मंजूरी

ग्रामीण रोजगार और क्लीन एनर्जी पर जोर, 125 दिन रोजगार गारंटी

रायपुर,23 जून 2026। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में मंत्रालय (महानदी भवन) में आयोजित कैबिनेट बैठक में आज ग्रामीण विकास, रोजगार और स्वच्छ ऊर्जा को लेकर तीन बड़े फैसले लिए गए। इन फैसलों का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार बढ़ाना, स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूत करना और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देना है। सरकार ने इसके तहत नई रोजगार गारंटी योजना, ग्रामीण आजीविका को बढ़ावा देने वाली हाट योजना और स्वच्छ ईंधन से जुड़ी बायोगैस नीति को मंजूरी दी है। इन फैसलों के जरिए गांवों में काम के नए अवसर बनेंगे, लोगों को अपने क्षेत्र में ही रोजगार मिलेगा और पर्यावरण के अनुकूल विकास को गति मिलेगी।

वीबी-जी राम जी योजना (ग्रामीण)

मंत्रिपरिषद ने ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार और विकास को बढ़ावा देने के लिए ''वीबी-जी राम जी योजना'' को मंजूरी दी है। इस योजना के तहत पात्र ग्रामीण परिवार के हर वयस्क सदस्य को हर साल 125 दिन तक काम की गारंटी दी जाएगी। यह काम मुख्य रूप से अकुशल श्रम पर आधारित होगा। इस योजना में जल संरक्षण,प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण,गांवों में बुनियादी विकास कार्य और आजीविका बढ़ाने वाले कार्य शामिल होंगे। साथ ही सभी विकास कार्यों की निगरानी डिजिटल तकनीक के माध्यम से की जाएगी ताकि पारदर्शिता और जवाबदेही बनी रहे। इस योजना में केंद्र और राज्य सरकार का खर्च अनुपात 60:40 रहेगा और साल 2026-27 के लिए 4,000 करोड़ रुपए का बजट तय किया गया है।

अटल आजीविका समृद्धि हाट योजना

ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए सरकार ने ''अटल आजीविका समृद्धि हाट योजना'' शुरू करने का निर्णय लिया है। इस योजना के तहत गांवों में अलग-अलग प्रकार के केंद्र स्थापित किए जाएंगे। जैसे हथकरघा और हस्तशिल्प केंद्र,कृषि उत्पादों के प्रसंस्करण इकाइयां, कोल्ड स्टोरेज, सोलर ड्रायर, कृषि उपकरण मरम्मत केंद्र और डिजिटल सेवा केंद्र। इस योजना का उद्देश्य ग्रामीणों को उनके ही क्षेत्र में रोजगार और स्वरोजगार के अवसर देना है। इसके अलावा स्थानीय उत्पादों को बेहतर बाजार उपलब्ध कराना है। इस योजना का संचालन छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन और पंचायत-ग्रामीण विकास विभाग की ओर से किया जाएगा।

छत्तीसगढ़ कम्प्रेस्ड बायोगैस नीति- 2026

सरकार ने पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए ''छत्तीसगढ़ कम्प्रेस्ड बायोगैस नीति 2026'' को मंजूरी दी है। इस नीति के तहत खेतों के अवशेष, कचरा और पशु अपशिष्ट से स्वच्छ कम्प्रेस्ड बायोगैस तैयार की जाएगी। इससे कचरे का सही उपयोग होगा,प्रदूषण कम होगा,पर्यावरण सुरक्षित रहेगा और ग्रामीणों को अतिरिक्त आय के अवसर मिलेंगे। इस नीति के तहत लगभग 5 लाख टन प्रति वर्ष छत्तीसगढ़ कम्प्रेस्ड बायोगैस उत्पादन का लक्ष्य रखा गया है। इसके क्रियान्वयन की जिम्मेदारी छत्तीसगढ़ बायोफ्यूल विकास प्राधिकरण को दी गई है।

8 मौतों का खुलासा...ग्रामीण ने शराब में जहर मिलाकर ली जान,पुरानी रंजिश,साइको किलर गिरफ्तार

बलौदाबाजार,23 जून 2026। छत्तीसगढ़ के बलौदाबाजार जिले के खर्वे गांव में पिछले तीन महीनों के दौरान हुई 8 संदिग्ध मौतों के मामले का पुलिस ने सनसनीखेज खुलासा किया है। जांच में सामने आया है कि गांव के ही 46 वर्षीय रामसहाय जायसवाल ने निजी रंजिश,विवाद,कर्ज,टोना-टोटका की शंका और पारिवारिक कारणों से लोगों को जहरीली शराब पिलाकर मौत के घाट उतार दिया। पुलिस के अनुसार, आरोपी अलग-अलग मौकों पर लोगों को शराब में जहर मिलाकर पिलाता था। इस जहरीली शराब को पीने से 8 लोगों की मौत हो गई,जबकि एक युवक की जान बच गई। मामले ने पूरे इलाके में सनसनी फैला दी है। मामले ने तब नया मोड़ लिया जब 6 जून को ग्रामीणों ने एसडीएम कसडोल को आवेदन देकर गांव में हुई लगातार मौतों की निष्पक्ष जांच की मांग की। ग्रामीणों ने रामसहाय जायसवाल पर संदेह जताते हुए उसकी भूमिका की जांच करने की मांग की थी। जांच के दौरान पुलिस ने सात मृतकों के शव कब्र से निकलवाकर पोस्टमार्टम और फॉरेंसिक परीक्षण के लिए रायपुर भेजे। एक मृतक का अंतिम संस्कार पहले ही हो चुका था। तकनीकी साक्ष्यों, फॉरेंसिक इनपुट और ग्रामीणों से पूछताछ के आधार पर पुलिस का शक रामसहाय पर गहराता गया। पुलिस जांच में यह भी सामने आया कि आरोपी ने चूहा मारने के बहाने जहरीला पदार्थ खरीदा था। पूछताछ के दौरान उसने स्वीकार किया कि लोगों को जहर देने से पहले उसने उसका परीक्षण एक कुत्ते पर किया था। इसके बाद उसने अलग-अलग तारीखों

में अपने निशाने पर रहे लोगों को शराब में जहर मिलाकर पिलाया। शुरुआत में आरोपी ने सभी आरोपों से इनकार किया, लेकिन साक्ष्यों के आधार पर पूछताछ तेज होने पर उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया। 23 जून को पुलिस आरोपी को उसके घर, किराना दुकान और घटनास्थलों पर लेकर पहुंची। जांच के दौरान वहां से शराब में मिलाए जाने वाले जहरीले पदार्थ को जब्त किया गया। आरोपी को गांव में देखकर ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा और लोगों ने उसके खिलाफ जमकर नाराजगी जताई। खर्वे गांव में मौतों का सिलसिला 6 फरवरी 2026 को बद्री पटेल की मौत से शुरू हुआ था। इसके बाद 20 फरवरी को बुद्धलू साहू की मौत हुई। मार्च में बुधराम जायसवाल, छत्तूराम साहू और विनोद साहू की जान गई। अप्रैल में गजानंद मांझी और चैतूराम साहू की मौत हुई, जबकि 14 मई को महेतरू साहू की मौत के साथ यह सिलसिला आठवीं मौत तक पहुंच गया। लगातार हो रही इन मौतों से गांव में भय और दहशत का माहौल बन गया था।

छत्तीसगढ़ में जेम क्वालिटी हीरों की खोज

देश को मिला नए हीरा भंडार होने का संकेत

महासमुंद,23 जून 2026। छत्तीसगढ़ के महासमुंद जिले में सरायपाली क्षेत्र के बलौदा बेलमुंडी डायमंड ब्लॉक में किए गए वैज्ञानिक अन्वेषण के दौरान पांच उच्च गुणवत्ता वाले हीरे प्राप्त हुए हैं जिनका कुल वजन करीब 1.22 कैरेट है। राष्ट्रीय खनिज विकास निगम (एनएमडीसी) और छत्तीसगढ़ खनिज विकास निगम (सीएमडीसी) की संयुक्त कंपनी एनएमडीसी-सीएमडीसी लिमिटेड ने सोमवार देर शाम इस खोज की आधिकारिक पुष्टि की है। कंपनी ने बताया है कि बलौदा बेलमुंडी डायमंड ब्लॉक में 200 टन खनिज सामग्री की प्रोसेसिंग से पांच हीरे प्राप्त हुए हैं। इन हीरों का कुल वजन 1.22 कैरेट है। विशेषज्ञ इसे एक महत्वपूर्ण उपलब्धि मान रहे हैं, क्योंकि इससे क्षेत्र में हीरे के बड़े भंडार मिलने की संभावनाएं और मजबूत हुई हैं। कंपनी के अनुसार

क्षेत्र में स्ट्रीम सेडिमेंट सैंपलिंग, जियोफिजिकल सर्वे और 500 मीटर गहरी एक्सप्लोरेटरी ड्रिलिंग के बाद संभावित हीरा क्षेत्र की पहचान की गई थी। इसके आधार पर 200 टन सामग्री को मध्यप्रदेश के पन्ना स्थित डायमंड प्रोसेसिंग प्लांट भेजा गया, जहां जांच के दौरान पांच हीरे प्राप्त हुए। कंपनी ने 22 जून को जारी एक आधिकारिक पत्र में इसकी पुष्टि की है। पत्र में यह भी बताया गया है कि एनएमडीसी-सीएमडीसी लिमिटेड के पास हीरों को सुरक्षित रखने की व्यवस्था नहीं है इसलिए सभी 5 हीरों को एनएमडीसी के पन्ना स्थित स्ट्रॉन्ग रूम में सुरक्षित जमा कर दिया गया है। कंपनी के अनुसार इन पांच हीरों में दो जेम क्वालिटी के सफेद हीरे शामिल हैं, जिनका वजन 0.19 और 0.06 कैरेट है और ये सामान्य हीरों से काफी बेहतर हैं। इसके अलावा एक पीले रंग का हीरा 0.32 कैरेट तथा दो भूरे रंग के हीरे 0.59 और 0.06 कैरेट वजन के मिले हैं। खनिज विशेषज्ञों का कहना है कि प्रारंभिक चरण में जेम क्वालिटी हीरों का मिलना अत्यंत सकारात्मक संकेत है और यह क्षेत्र में आगे बड़े पैमाने पर हीरा भंडार की संभावना को दर्शाता है। विशेषज्ञों का कहना है कि यह खोज आने वाले वर्षों में छत्तीसगढ़ को देश के प्रमुख हीरा उत्पादक राज्यों की श्रेणी में खड़ा कर सकती है। जेम क्वालिटी हीरे सबसे अच्छी गुणवत्ता के होते हैं। ये आभूषण बनाने के लिए इस्तेमाल होते हैं और इनकी कीमत बहुत ज्यादा होती है। इनमें अच्छी चमक, पारदर्शिता और बेहतर रंग होता है। गैर जेम हीरे औद्योगिक कामों (जैसे कटिंग टूल्स) के लिए होते हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि किसी भी नए हीरा क्षेत्र की पहचान छोटे नमूनों से ही शुरू होती है। इसलिए पांच हीरों की यह प्राप्ति संख्या के लिहाज से भले छोटी लगे लेकिन भू-वैज्ञानिक दृष्टि से इसका महत्व काफी बड़ा है। इससे भविष्य में और विस्तृत सर्वेक्षण तथा संभावित व्यावसायिक खनन का रास्ता खुल सकता है।

आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को दे सकती है नई गति

भारत दुनिया का सबसे बड़ा हीरा कटिंग और पॉलिशिंग हब है लेकिन कच्चे हीरों के लिए अभी भी भारी आयात पर निर्भर है। छत्तीसगढ़ में ऐसी खोज आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को नई गति दे सकती है। सफल व्यावसायिक खनन शुरू होने पर राज्य में निवेश,रोजगार और राजस्व में उल्लेखनीय वृद्धि होने की उम्मीद है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने इस उपलब्धि पर कहा कि महासमुंद में हीरों की प्राप्ति छत्तीसगढ़ के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। यह खोज राज्य की समृद्ध खनिज संपदा को रेखांकित करती है और विकास, निवेश तथा रोजगार की नई संभावनाओं के द्वार खोलती है।

छत्तीसगढ़ के कांकेर में सुरक्षा बलों ने नक्सली डम्प से हथियार व संचार उपकरण किया बरामद

कांकेर,23 जून 2026। छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले में चलाए जा रहे अभियान के तहत सुरक्षाबलों ने ग्राम आमाटोला के जंगल-पहाड़ी क्षेत्र में संयुक्त सर्चिंग अभियान के दौरान आज मंगलवार को नक्सलियों द्वारा छिपाकर रखे गए एक नक्सली डम्प से हथियार, संचार उपकरण और अन्य सामग्री बरामद की गई है। कांकेर पुलिस अधीक्षक निखिल राखेचा ने इसकी पुष्टि की है। पुलिस के अनुसार थाना छोटेबेठिया क्षेत्र अंर्तगत ग्राम आमाटोला के जंगल-पहाड़ी इलाके में जिला पुलिस, बीएसएफ और बम निरोधक दस्ता (बीडीएस) की संयुक्त टीम ने सघन सर्चिंग अभियान चलाया। अभियान के दौरान सुरक्षा बलों ने नक्सली डम्प का पता लगाकर वहां से बड़ी मात्रा में सामग्री बरामद की। बरामद सामग्री में- 4 नग भरमार बंदूक, 2 वायरलेस सेट, 1 रेडियो सेट, 1 नक्सली वर्दी, 2 पाउच, 1 चार्जर, 1 बैटरी, नक्सली साहित्य एवं अन्य नक्सली सामग्री बरामद किया गया है। अभियान में बीएसएफ की 94वीं वाहिनी के एसी योगेश कुमार तथा इंस्पेक्टर सुमन कंथोसू के नेतृत्व में जवानों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कांकेर पुलिस ने बताया कि नक्सल प्रभावित रहे सीमावर्ती क्षेत्रों में सुरक्षा बलों द्वारा अतिरिक्त सतर्कता बरतते हुए लगातार संयुक्त अभियान चलाया जा रहा है। क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए सघन सर्चिंग अभियान आगे भी जारी रहेगा।

छत्तीसगढ़ में आयकर निरीक्षकों का ट्रांसफर

रायपुर,23 जून 2026। प्रधान मुख्य आयकर आयुक्त सीजी एमपी ने 209 आयकर निरीक्षकों के तबादले किए हैं। इनमें सर्वाधिक 46 भोपाल,31 रायपुर, इंदौर से 21,भिलाई10, बिलासपुर से 6 शामिल हैं। इनके अलावा रायगढ़ से 2,भाटापारा महासमुंद अंबिकापुर से 1-1 शामिल हैं। इनमें से कइयों को छत्तीसगढ़ से मप्र और वहां से छत्तीसगढ़ के विभिन्न शहरों में पदस्थ किया गया है। इनमें 19 हाल में पदोन्नत निरीक्षक भी शामिल हैं। सभी को 3 जुलाई तक नई जगह ज्वाइन कर सूचना भेजने कहा गया है। इससे पहले 6 जून को ही 20 अतिरिक्त और संयुक्त आयुक्त,48 उपायुक्त और 114 आईटीओ के पदोन्नति के साथ तबादले किए गए थे। इस तरह से नए वित्त वर्ष के लिए एमपी सीजी सर्किल नया स्वरूप दे दिया गया है।

भूपेश बघेल के धरने के आगे झुका प्रशासन

फर्जी एनओसी मामले में एफआईआर दर्ज

तिल्दा-नेवरा,23 जून 2026। प्लांट के लिए फर्जी एनओसी बांटने के आरोपों को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का तिल्दा थाने के बाहर शुरू हुआ धरना प्रशासन के एफआईआर दर्ज करने के आश्वासन के बाद खत्म हो गया। बघेल ने साफ कहा था कि जब तक कार्रवाई नहीं होती, वे थाने से नहीं हटेंगे। दरअसल तिल्दा के ग्राम अल्दा और देवरी गांव में एक उद्योग और संयंत्र के लिए नियमों को दरकिनार कर फर्जी एनओसी जारी करने का आरोप है। इसे लेकर पूर्व सीएम भूपेश बघेल के नेतृत्व में सैकड़ों ग्रामीणों और कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने तिल्दा थाना परिसर में शांतिपूर्ण घेराव कर धरना दिया। धरने के दौरान भूपेश बघेल

ने दो टूक कहा,'हमारी मांग साफ है- इस पूरे फर्जीवाड़े की निष्पक्ष जांच हो और जितने भी लोग शामिल हैं, उन पर तुरंत कानूनी कार्रवाई हो। जब तक भ्रष्टाचारियों के खिलाफ एफआईआर नहीं होती, हम यहां से नहीं हिलेंगे। '

प्रशासन झुका,दर्ज हुई एफआईआर : लगभग चार घंटे तक चले धरने के बाद पुलिस प्रशासन हरकत में आया। शाम को पुलिस ने ग्राम अल्दा से जुड़े आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया। वहीं ग्राम देवरी के मामले में जांच प्रतिवेदन मिलने के बाद दो दिनों के भीतर एफआईआर दर्ज करने का आश्वासन दिया गया। इसके बाद भूपेश बघेल ने धरना खत्म करने का ऐलान किया।

धरने में शामिल रहे ये नेता : धरना-प्रदर्शन में महिलाओं और पुरुषों की बड़ी संख्या रही। इस दौरान पूर्व पाठ्य पुस्तक निगम अध्यक्ष शैलेश नितिन त्रिवेदी, पूर्व रायपुर ग्रामीण कांग्रेस अध्यक्ष उद्यो राम वर्मा, जनकराम वर्मा, तुकाराम चंद्रवंशी,सनी अग्रवाल,विनोद तिवारी,भाटापारा विधायक इंद्र साव,पूर्व सिंधी अकादमी अध्यक्ष राम गिड़लानी,अजितेश शर्मा, बलदाऊ साहू, नीरज राठी, ओम ठाकुर,योगेंद्र साहू,अनिल सिंह, योगेंद्र पटेल समेत अल्दा, देवरी और आसपास के गांवों के सैकड़ों ग्रामीण मौजूद रहे।

रायपुर में बड़ा एक्शन : सेंट पॉल स्कूल परिसर के पास अवैध निर्माण पर चला बुलडोजर

रायपुर,23 जून 2026। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में सेंट पॉल स्कूल के पास उस विवादित ढांचे पर बुलडोजर चल गया, जिसे लेकर महीनों से हंगामा मचा था। देखते ही देखते प्रशासन की मशीनों ने अवैध निर्माण को मलबे में बदल दिया। शहरऔर स्थानीय मार्गदर्शिका मंगलवार की सुबह होते ही अमला दलबल के साथ मौके पर पहुंच गया। पूरा इलाका छावनी में तब्दील हो गया था। पुलिस ने दोनों तरफ की सड़कें बंद कर दी थीं। किसी को भी आसपास फटकने नहीं दिया गया। अपर कलेक्टर से लेकर नगर निगम के बड़े अधिकारी मौके पर खुद मौजूद रहे। कार्रवाई इतनी तेज थी कि लोगों को संभलने का मौका तक नहीं मिला। इस निर्माण को लेकर स्थानीय लोगों और कई संगठनों में लंबे समय से विवाद

था। आरोप था कि सामुदायिक भवन की आड़ में चर्च का निर्माण किया जा रहा है। मामला काफी तूल पकड़ चुका था। आए दिन इसको लेकर ज्ञापन और प्रदर्शन हो रहे थे। नगर निगम और प्रशासनिक सूत्रों की मानें तो ये पूरी जमीन विवाद की जड़ थी। लीज की मियाद कब की खत्म हो चुकी थी। इसके बावजूद यहां निर्माण जारी था। प्रशासन ने इसी को आधार बनाया और बिना किसी ढिलाई के जेसीबी चलवा दी। अधिकारियों का साफ कहना है कि नियम से ऊपर कोई नहीं है।

डीजल की किल्लत से परेशान किसानों ने विधायक संग निकाली ट्रैक्टर रैली

बीजापुर,23 जून 2026। मानसून पूर्व खेती की तैयारी के बीच बीजापुर जिले में डीजल की भारी किल्लत को लेकर किसान सड़कों पर उतर आए। यहां विधायक विक्रम मंडावी के नेतृत्व में सैकड़ों किसानों ने ट्रैक्टर रैली निकालकर विरोध जताया और कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर तत्काल डीजल उपलब्ध कराने की मांग की। रैली नैमेड़ स्थित नए बस स्टैंड से शुरू हुई। सैकड़ों ट्रैक्टरों की लंबी कतार में शामिल किसान नारेबाजी करते हुए जिला मुख्यालय पहुंचे। रैली का मार्ग विभिन्न डीजल पंपों के सामने से होकर गुजरा, जहां किसानों ने डीजल देने की मांग उठाई। बाद में रैली नए बस स्टैंड पर सभा और धरने में बदल गई। किसानों ने बताया कि पंपों पर पर्याप्त डीजल नहीं मिल रहा, जिससे खरीफ फसल की जोताई-बुआई का काम रुक गया है। किसानों का कहना है, 'ट्रैक्टर कर्ज लेकर खरीदे हैं। खेती से ही कर्ज चुकाना है। डीजल नहीं मिलेगा तो बुवाई कैसे होगी?' किसानों ने आरोप लगाया कि सरकार सप्लाई बढ़ाने के बजाय कीमतों में लगातार इजाफा कर रही है। सभा को संबोधित करते हुए विधायक विक्रम मंडावी ने कहा, 'मानसून सिर पर है और किसान डीजल के लिए धक्के खा रहे हैं। सरकार बिना परेशानी पर्याप्त डीजल उपलब्ध कराए।'

नाव्या मलिक ड्रग्स स्कैंडल में ईडी की एंट्री....काले धन और मनी लॉन्ड्रिंग के नेटवर्क की होगी जांच,कई रसूखदार चेहरों से हटेंगे नकाब

रायपुर,23 जून 2026। राजधानी के चर्चित ड्रग्स क्वीन नाव्या मलिक से जुड़े मामले में प्रवर्तन निदेशा लय ने भी जांच शुरू कर दी है। ईडी ने मामले से जुड़े दस्तावेज,चार्जशीट और अन्य रिकॉर्ड पुलिस से मांगे हैं। एजेंसी की एंट्री के बाद उन लोगों में बेचैनी बढ़ गई है,जिनके नाम अब तक सार्वजनिक नहीं हुए हैं। पुलिस पहले ही इस मामले में कोर्ट में चार्जशीट पेश कर चुकी है और ट्रायल की प्रक्रिया जारी है। अब ईडी यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि ड्रग्स के अवैध कारोबार से अर्जित रकम को कहां और किस माध्यम से खपाया गया। जांच के दायरे में वे लोग भी आ सकते हैं, जो प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से इस नेटवर्क से जुड़े रहे हैं।

2025 में हुआ था मामले का खुलासा : बता दें कि,मामले का खुलासा 23 अगस्त 2025 को हुआ था, जब पुलिस ने हर्ष आहूजा, मोनू विश्नोई और दीप

धनोरिया को एमडीएमए के साथ गिरफ्तार किया था। पूछताछ में आरोपियों ने नाव्या मलिक की भूमिका का खुलासा किया, जिसके बाद पुलिस टीम ने मुंबई में कार्रवाई कर उसे गिरफ्तार किया। जांच में सामने आया था कि रायपुर के कटोरा तालाब क्षेत्र रहने वाली नाव्या मलिक शहर की कई हाईप्रोफाइल पार्टियों और निजी आयोजनों में कथित रूप से ड्रग्स की सप्लाई करती थी। आरोप यह भी है कि वह स्वयं ऐसे आयोजनों में पहुंचकर ड्रग्स उपलब्ध कराती थी।

मोबाइल और डिजिटल नेटवर्क के जरिए फैलाया कारोबार : पुलिस जांच के अनुसार, नाव्या ने ड्रग्स सप्लाई के लिए एक संगठित नेटवर्क तैयार कर रखा था, जिसका संचालन मोबाइल फोन और अन्य डिजिटल माध्यमों से किया जाता था। जांच एजेंसियों का मानना है कि समय के साथ उसका संपर्क प्रभावशाली लोगों तक पहुंच गया था, जिससे ड्रग्स सप्लाई का नेटवर्क लगातार फैलता गया।

मोबाइल में मिले 850 रसूखदारों के संपर्क...

पुलिस जांच में नाव्या मलिक को पूरे रैकेट का मास्टरमाइंड माना गया है। उसकी गिरफ्तारी के बाद जब्त किए गए तीन मोबाइल फोन की जांच में कई अहम जानकारियां सामने आई थीं। जांच में दावा किया गया था कि उसका संपर्क करीब 850 प्रभावशाली लोगों से था। इनमें नेता,कारोबारी, होटल संचालक,क्लब प्रबंधन से जुड़े लोग और शहर के कई रसूखदार परिवारों के सदस्य शामिल बताए गए थे। अब ईडी की जांच के बाद यह माना जा रहा है कि ड्रग्स नेटवर्क से जुड़े आर्थिक पहलुओं और कथित मनी ट्रेल को लेकर कई नए खुलासे सामने आ सकते हैं।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050,डॉक रजिस्टर्ड क्र.:-13/सरगुजा/डीएन/2026-2028-मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)